जीवन दर्शन

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

सोमवार 22 अप्रैल, 2024 » वर्ष 13 » अंक 71 » इंदौर-भोपाल से प्रकाशित » पेज 6 » मूल्य ₹ 2.00

बच्चों को पालना, उन्हें अच्छे व्यवहार की शिक्षा देना भी सेवाकार्य है, क्योंकि यह उनका जीवन सुखी बनाता है।
- स्वामी रामसुखदास

डी गुकेश का शानदार प्रदर्शन, सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियनशिप...
पृष्ठ 6 पर

न्यूज ब्रीफ

कुर्सी उठाकर दे-दनादन मंच से भाषण देते रहे नेता और पंडाल में दे-दनादन

रांची: वैसे तो किसी बड़ी क्रांति को 'उलगुलान' कहते हैं। माना जाता है कि आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा ने भी जल, जंगल जमीन के लिए 'उलगुलान' किया था। सवा सौ साल बाद इंडिया गठबंधन खासकर झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से केंद्र की सत्ताधारी दल बीजेपी के खिलाफ 'उलगुलान न्याय रैली' का आयोजन किया गया। रांची के प्रभात तारा मैदान में आयोजित रैली में मंच से नेता भाषण दे रहे थे तो वहीं, पंडाल में अलग-अलग पार्टियों के आए नेता-कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। बैठने के लिए लगाई गई कुर्सी और झंडा वाला डंडा इनका हथियार बन गया। कई लोगों के माथा फूटने और चोट लगने की सूचना है। इसे लेकर बिहार की सत्ताधारी और बीजेपी की पार्टनर जेडीयू ने एक वीडियो ट्वीट किया है।

सीएए पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से भिड़ गई मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में चल रहे सियासी समर में अब सीएए पर संग्राम छिड़ गया है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच जुबानी घमासान हो रहा है। रक्षामंत्री ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के जलांगी इलाके में रैली करते हुए कहा कि सीएए उन लोगों को नागरिकता देने के लिए है जिन्होंने धार्मिक कारणों से पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान जैसे देशों को छोड़ दिया है। ममता बनर्जी और उनकी पार्टी इसका विरोध कर सकती है लेकिन सीएए किसी भी कीमत पर लागू किया जाएगा। यह नेताजी सुभाष चंद्र बोस और चैतन्य महाप्रभु की भूमि है। बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि बंगाल में सत्तारूढ़ दल धार्मिक तनाव को बढ़ावा दे रहा है।

चार साल का स्नातक करने वाले छात्र दे सकेंगे नेट परीक्षा यूजीसी ने जारी किया आदेश

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब चार साल की स्नातक डिग्री लेने वाले छात्र सीधे यूजीसी नेट दे सकते हैं और पीएचडी कर सकते हैं। यूजीसी ने बताया कि जेआरएफ के साथ या उसके बिना पीएचडी करने के लिए छात्रों को चार साल के स्नातक प्रोग्राम में कम से कम 75 प्रतिशत अंक या समकक्ष ग्रेड हासिल करने होंगे। इस समय राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) के लिए छात्रों को केवल 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री की जरूरत है। नए नियम के तहत अब चार साल की स्नातक डिग्री वाले छात्र भी इस परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। यूजीसी चेयरमैन प्रोफेसर एम.जगदीश कुमार ने बताया है कि एफवाईयूपी पूरा करने वाले छात्रों को ऐसे किसी भी विषय में उपस्थित होने की अनुमति दी जाएगी।

'कांग्रेस पर अर्बन नक्सलियों का कब्जा, ये आपका मंगलसूत्र तक बेच देंगे', मोदी के बयान पर बिफरा विपक्ष, खोला मोर्चा

नई दिल्ली ■

राजस्थान के बांसवाड़ा में पीएम मोदी ने कांग्रेस के मेनिफेस्टो को लेकर रविवार को जोरदार हमला बोला. पीएम ने कहा कि कांग्रेस पर अर्बन नक्सलियों का कब्जा हो चुका है. रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'इस बार का कांग्रेस का मेनिफेस्टो देख लीजिए कांग्रेस ने जो कहा है वो चिंताजनक है. इसमें माओवाद को जमीन पर उतारने का काम होगा. वो सबकी प्रॉपर्टी की जांच करेंगे.'

पीएम मोदी ने आगे कहा, 'महिलाओं के पास कितने गहने हैं, इसका पता लगाया जाएगा और आपकी संपत्ति सबको बराबर बांट दी जाएगी. क्या आपकी संपत्ति को किसी को बांटने के लिए किसी भी सरकार का हक है क्या? पीएम मोदी के इस बयान पर राहुल गांधी समेत विपक्ष के अन्य नेताओं ने पलटवार किया है.

'अर्बन नक्सलियों के हाथों में चली गई कांग्रेस'

कांग्रेस पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा, 'आप महिलाओं से उनके जेवर लेने की बात कर रहे हो और ये बता रहे हो कि देश की संपत्ति पर पहला हक मुसलमानों का है और आपकी संपत्ति उनको बांटेंगे जिनके ढेरों बच्चे हैं. ये अर्बन नक्सल की सोच वाले आपका मंगलसूत्र भी बचने नहीं देंगे. जो लोग कांग्रेस छोड़कर आई है, वो बताते हैं कि कांग्रेस अब कांग्रेस नहीं रह गई है. वो अब अर्बन नक्सलियों के हाथों में चली गई है. कांग्रेस के राज में युवाओं के साथ खिलवाड़ किया गया. पीएम मोदी ने कहा, 'कांग्रेस जैसी पार्टियों को आपकी परवाह नहीं है. ये सिर्फ अपनी संतान के लिए काम करती हैं. कांग्रेस पार्टी के सारे नेता, INDI गठबंधन के नेता अपने बच्चों को फिट करने में लगे हैं.' पीएम मोदी ने कहा, 'आजादी के बाद इतने चुनाव हुए इस बार दिल्ली में रहने वाला कांग्रेस का शाही परिवार कांग्रेस को वोट नहीं देगा.

गांधी ने बोला हमला

राहुल गांधी ने पीएम मोदी के इस बयान पर पलटवार किया है. उन्होंने कहा, 'पहले चरण के मतदान में निराशा हाथ लगने के बाद नरेंद्र मोदी के झूठ का स्तर इतना गिर गया है कि घबरा कर वह अब जनता को मुद्दों से भटकाना चाहते हैं. कांग्रेस के क्रांतिकारी मेनिफेस्टो को मिल रहे अपार समर्थन के रुझान आने शुरू हो गए हैं. देश अब अपने मुद्दों पर वोट करेगा, अपने रोजगार, अपने परिवार और अपने भविष्य के लिए वोट करेगा. भारत भटकेगा नहीं!' वहीं कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, 'प्रधान मंत्री को चुनौती है कि हमारे घोषणा पत्र में कहीं भी हिंदू मुसलमान लिखा हो तो दिखा दें. इस तरह का हल्कापन आपकी मानसिकता में, आपके राजनैतिक संस्कारों में है.

प्रियंका चतुर्वेदी का हल्ला बोल

उद्धव ठाकरे की शिवसेना की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने भी पीएम मोदी के वीडियो पर कटाक्ष किया. चतुर्वेदी ने कहा, 'पीएम की वीडियो क्लिप साझा नहीं करूंगीं. मैं इसे और ज्यादा वायरल नहीं होने देना चाहती. उनका भाषण बेहद भ्रामक, कंटेंट में घृणा और जितना संभव हो उतना विभाजनकारी है. यह दो बातें साफ तौर पर बताती है.'

1. यह तीसरे कार्यकाल की बात करने वाली पार्टी की भाषा नहीं बल्कि हताशा की भाषा हो सकती है.
2. चुनाव आयोग ऐसी नफरत और नफरत के खिलाफ किसी भी कार्रवाई से साफ तौर पर बच रहा है.

जेल में मेरे पति को मारने की कोशिश कर रही मोदी सरकार

नई दिल्ली ■

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने रविवार को रांची में इंडिया गठबंधन की रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि उनके पति को जेल में मारने की साजिश की जा रही है। वह शुगर के मरीज हैं, लेकिन उन्हें इंसुलिन लेने से रोका जा रहा है।

अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन का क्या कसूर

सुनीता केजरीवाल ने कहा कि लोग कहते हैं, राजनीति बुरी चीज है। यह वाकई बुरी चीज है। शर्मनाक बात है कि जेल में मेरे पति अरविंद केजरीवाल के खाने और उनके एक-एक निवाले पर कैमरा लगा दिया गया है। उन्होंने लोगों से सवालिया लहजे में पूछा कि आखिर अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन का कसूर क्या है? इन्हें छल-कपट से जेल में डाला गया है। इन्हें किसी अदालत ने दोषी नहीं ठहराया, इनका कसूर साबित नहीं हुआ, लेकिन महज जांच के नाम पर इन्हें जेल भेज दिया गया। उन्होंने लोगों से तानाशाही ताकतों की साजिश का जवाब देने की अपील की। उन्होंने नारा लगाया, जेल का ताला टूटेगा, अरविंद केजरीवाल छूटेगा, हेमंत सोरेन छूटेगा।

'बीजेपी के पास वॉशिंग मशीन के साथ एक बड़ी लॉन्ड्री है': खड़गे

सतना ■

'मोदी-शाह सरकार' फिर से सत्ता में आयी, तो देश में लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को मध्य प्रदेश के सतना में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए दावा किया कि वे डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान को भी खत्म कर देंगे।

दरअसल, राहुल गांधी की सतना में चुनावी सभा थी, लेकिन उनकी तबियत खराब होने की वजह से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोर्चा संभाला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर जमकर बरसे। खड़गे ने सभा में कहा कि

यदि आप संविधान, महिलाओं, मजदूरों और किसानों के वोट के अधिकार को बरकरार रखना चाहते हैं, तो कांग्रेस और उसके निशान हाथ के पंजे पर वोट दें। खड़गे ने सतना में कांग्रेस उम्मीदवार सिद्धार्थ कुशवाहा के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते नरेंद्र मोदी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यदि मोदी-शाह की सरकार फिर से सत्ता में आयी, तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा।

भारत-मालदीव के रिश्तों पर फिर लग सकता 'मुइज्जू ग्रहण'! चुनाव में पार्टी को मिली बढ़त

नई दिल्ली ■

मालदीव में संसदीय चुनाव के लिए हुए मतदान के बाद अब वोटों की गिनती जारी है. मालदीव के साथ रिश्तों में आई खटास को लेकर भारत के साथ-साथ चीन भी इस चुनाव पर नजर बनाए हुए है. न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के नेतृत्व वाली पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) मालदीव के संसदीय चुनाव में जीत की तरफ बढ़ रही है.

66 सीटों पर मुइज्जू की पार्टी जीती

मालदीव के चुनाव आयोग ने बताया कि 93 सीटों में 86 सीटों का रिजल्ट घोषित कर दिया गया है, जिसमें से राष्ट्रपति मुइज्जू की पीएनसी पार्टी ने

66 सीटों पर जीत दर्ज की. यह आंकड़ा बहुमत से ज्यादा है, जिससे अब मालदीव में फिर से मुइज्जू की पार्टी की सरकार बन सकती है. विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी), जिसने पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव हारने से पहले इंडिया फर्स्ट की नीति अपनाई थी, वे सिर्फ 15 सीटों पर आगे चल रही थी. राष्ट्रपति मुइज्जू की पार्टी अगर सरकार बनाती है तो हिंद महासागर के साथ-साथ भारत के संबंधों पर असर हो सकता है. पिछले साल सत्ता में आने के बाद राष्ट्रपति मुइज्जू ने भारत के साथ मालदीव के रिश्तों में खटास आई थी. मालदीव ने खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य देखभाल के लिए भारत पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें खाद्य पदार्थों और फार्मास्युटिकल उत्पादों की आपूर्ति के लिए तुर्की और अन्य देशों के साथ समझौता करना शामिल है.

2 लाख 84 हजार लोगों ने डाला वोट

इसके अलावा मालदीव डेवलपमेंट अलायंस, जम्हूरी पार्टी और निर्दलीय उम्मीदवार मिलाकर कुल सात सीटों पर आगे चल रहे हैं, जो दशार्ता है कि पीएनसी संसद में आराम से बहुमत के आंकड़े को पार कर जाएगी. मालदीव में सरकार चुनने के लिए 93 संसदीय सीटों पर कुल 2 लाख 84 हजार लोगों ने वोट डाला. पीएनसी ने चुनाव प्रचार के दौरान मतदाताओं से बहुमत से अधिक सीटों पर जिताने का अह्वान किया था, ताकि मुइज्जू की सरकार तेजी से अपने वादे को पूरा कर सके. पीएनसी के चुनावी वादे में मालदीव में दो हेलीकॉप्टर एक विमान संचालित करने के लिए तैनात भारतीय सैन्य कर्मियों को वापस भेजने की बात भी कही गई थी.

निशिकांत के खिलाफ लड़ेंगे प्रदीप यादव

नई दिल्ली: कांग्रेस ने झारखंड और आंध्र प्रदेश की 11 सीटों पर उम्मीदवारों की नई सूची जारी की है. पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुबोधकांत सहाय की बेटी यशस्विनी सहाय को रांची से टिकट दिया गया है. यशस्विनी रंगमंच की प्रसिद्ध कलाकार हैं. कांग्रेस की नई सूची में गोड्डा लोकसभा सीट से उम्मीदवार में बदलाव किया है. पहले कांग्रेस की ओर से विधायक दीपिका पांडेय सिंह को टिकट दिया गया है. अब गोड्डा से बीजेपी के निशिकांत दुबे के खिलाफ कांग्रेस ने प्रदीप यादव को मैदान में उतारा है. कांग्रेस की ओर से सोशल साइट्स एक्स पर ट्वीट कर जानकारी दी गई कि कांग्रे अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय चुनाव कमेटी की बैठक में आंध्र प्रदेश और झारखंड के उम्मीदवारों को लेकर फैसला किया गया.

गाजीपुर लैंडफिल साइट पर भीषण आग, दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं

नई दिल्ली। दिल्लीवासियों को एक बार फिर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर स्थित कचरे के पहाड़ यानी लैंडफिल स्थल (कचरा एकत्र करने का स्थान) पर रविवार को भीषण आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने कहा, हमें शाम पांच बजकर 22 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। दो दमकल गाड़ियों को काम पर लगाया गया है। आग बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं। स्थानीय पुलिस को सूचित कर दिया गया है।

हादसों का रविवार! राजस्थान में दिल दहला देने वाले अलग-अलग रोड एक्सीडेंट में 18 लोगों की मौत

जयपुर ■

राजस्थान में 21 अप्रैल का दिन दर्दनाक हादसों से भरा दिन साबित हुआ। रविवार को 4 अलग-अलग हादसों में कुल 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। एक तरफ जहां झालावाड़ में रविवार सुबह तेज रफ्तार मारुति वैन और ट्रॉले के बीच जबरदस्त टक्कर में 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं जयपुर में कार को बचाने के चक्कर में एक तेज रफ्तार बाइक ट्रक से जा टकराई। इसमें बाइक सवार और 3 कार सवारों की मौत हो गई। तीसरा हादसा रविवार दोपहर दौसा में हुआ। यहां एक कार और बस की

टक्कर से 3 लोगों की मौत हो गई।

झालावाड़ में 9 लोगों की मौत

झालावाड़ में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 9 युवकों की जान चली गई। हादसा नेशनल हाइवे पर पचोला गांव के पास हुआ। जहां वैन सवार युवकों को डंपर ने रौंद दिया। अकलेरा कस्बे में आज एक साथ आठ शव यात्रा निकली। जयपुर के दूदू में एक बेकाबू कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा भिड़ी। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई है। दुर्घटना में बाइक सवार की अस्पताल ले जाते वक्त मौत हो गई, वहीं कार में मौजूद तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना एनएच-48 पर दूदू के पास हुई।

दौसा में सड़क हादसे ने ली 3 जानें

दौसा के गोलाकाबास हाइवे के हरिपुरा बांध के समीप रविवार को दर्दनाक हादसा हुआ। जिसमें दौसा की तरफ से आ रही बस ने कार के जोरदार टक्कर मार दी। इससे कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, वहीं कार में मौजूद चार में से तीन जनों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं एक जना गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे जयपुर रेफर किया गया। बांसवाड़ा के केसरपुरा गांव के पास सड़क पर खड़े डंपर से तेज रफ्तार बाइक टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार दो युवकों और एक किशोर की मौत हो गई।

चुनाव आयोग का शिवसेना उद्धव गुट को नोटिस

मुंबई ■

चुनाव आयोग ने रविवार को शिवसेना (उद्धव गुट) को नोटिस भेजकर कैंपेन सॉन्ग से 'भवानी' शब्द हटाने को कहा है। आयोग ने कहा कि यह शब्द हिंदू देवी से जुड़ा हुआ शब्द है। इलेक्शन में इस तरह के धार्मिक नारे का इस्तेमाल नहीं कर सकते। आयोग के नोटिस पर उद्धव ठाकरे ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि वे अपने थीम सॉन्ग से भवानी शब्द नहीं हटाएंगे। आयोग को जो कार्रवाई करनी है करे।

उद्धव ने आगे कहा कि बीजेपी नेता कई बार धर्म के नाम पर वोट मांग चुके हैं, लेकिन उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। चुनाव आयोग पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर कार्रवाई करे। दरअसल, उद्धव गुट ने इलेक्शन कैंपेन के लिए 16 अप्रैल को प्रमोशन सॉन्ग रिलीज किया था, जिसमें भवानी शब्द का जिक्र है। उद्धव ने कहा कि कर्नाटक के चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी ने जय बजरंग बली बोलकर वोट देने की बात कही। अमित शाह ने MP विधानसभा चुनाव में लोगों को मुफ्त में राम मंदिर के दर्शन कराने की बात की। इसको लेकर मैंने इलेक्शन कमीशन को लेटर लिखा था।

व्यंग्य : टैक्स दो बाबा : मोदी जी तीसरी शक्ति कैसे बनाएंगे.. ?

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

बाबा रामदेव जी पैसे लेकर योग सिखा रहे हो तो टैक्स चुकाओ और ध्यान रखो कि प्रधानमंत्री मोदी देश को तीसरी आर्थिक शक्ति बनाना चाहते हैं तो उस खातिर ही टैक्स चुकाओ, सिर्फ 4.5 करोड़ ही तो है. नियम तो यही है जो भी सेवा के बदले पैसा ले रहा है उसे सेवा कर यानी सर्विस टैक्स तो देना ही पड़ेगा और यही बात पंतजलि समूह के प्रमुख बाबा रामदेव को सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में उनकी हेल्थ फिटनेस पर नहीं लगता तर्क की याचिका खारिज कर समझा दी है.

बाबा जब पैसे लेकर योग सिखा रहे तो टैक्स क्यों नहीं लगेगा..?- बाबा

रामदेव जी आप योग की शिक्षा देकर लोगों को बीमारियों से बचाने का काम तो अच्छा कर रहे हैं लेकिन मुफ्त में नहीं सिखा रहे और आप बकायदा पैसा वसूलते हो जिसे लोगों द्वारा दिया दान बताते हो तो ऐसा नहीं चलेगा. ट्रस्ट के नाम पर इस तरह का धंधा सेवा शुल्क के दायरे में आता है. इसलिए महामना आप देश हित में टैक्स चुकाएं वही बेहतर होगा, क्योंकि वैसे भी आप और आपके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण भ्रामक प्रचार मामले में सुप्रीम कोर्ट के चक्कर लगा रहे हो और दो बार माफी भी मांग चुके हो..!

केजरीवाल को रिहाई की आस कम : इसलिए नौटंकी ज्यादा..!- शराब घोटाले के आरोपी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल केस में दिल्ली हाई कोर्ट के पुख्ता सबूत वाले फैसले के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में 29 अप्रैल को सुनवाई होगी, जबकि 24 को ईडी फिर पूरे सबूत देगा, ऐसे में केजरीवाल व ' आप ' नेताओं को शायद लग रहा है रिहाई मुश्किल है तभी शायद जेल में जहर, हत्या की साजिश के मिथ्या आरोप लगाए जा रहे हैं.एम्स के डॉ. द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पूरी जांच आदि हो गई और केजरीवाल ने इन्सुलिन नहीं मांगा फिर भी तिहाड़ जेल के बाहर इन्सुलिन ले जाकर प्रदर्शन की नौटंकी आदि प्रमाण हैं कि रिहाई आसान नहीं है..!

फिर मोदी, कांग्रेस 44 या बीजेपी साफ : क्या होगा अंजाम..?

सवाल इसलिए है क्योंकि फिर भविष्यवाणी हो चुकी है और देश के जाने माने अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला जो अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में कार्यकारी निदेशक पद पर भी रह चुके हैं उनकी भविष्यवाणी को सच मानें तो अकेले बीजेपी 330-350 सीटें जीत सकती है और कांग्रेस 44 पर सिमट सकती है. इधर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश का कहना है कि पहले चरण के मतदान बाद जो ग्राउंड रिपोर्ट मिली है उसमें दक्षिण में बीजेपी साफ व उत्तर में हॉफ की स्थिति है. वह कहते हैं कि' इंडिया ' गठबंधन बीजेपी से आगे है, जबकि भल्ला का मानना है कि लहर का लाभ बीजेपी को मिलेगा और वे सीएमआईई के डाटा पर सवाल उठाते हुए कहते हैं मैं ही पहला व्यक्ति नहीं हूं, अनेक लेखक भी सही नहीं मानते. भल्ला ने यह भी कहा कि दुनिया में हर जगह विपक्ष यही कहेगा कि महंगाई अधिक है, नौकरियां कम हैं, लेकिन उदाहरण के लिए भारत में 2019 की तुलना में बेरोजगार लोगों का प्रतिशत कम है. खैर भल्ला की भविष्यवाणी पूर्व के तमाम सर्वे, ओपिनियन पोल से मेल खाती है. वैसे पोल पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के पक्ष में नहीं रहे तो वे इन्हें झूठा बताती हैं. इधर रांची झारखण्ड में विपक्षी दलों ने मोदी सरकार के विरुद्ध रैली निकाली और इसे ' उलगुलान ' कहा यानी क्रांति लेकिन ये कहां तक सफल होगी कुछ कह नहीं सकते..? वैसे 4 जून को परिणाम आने ही वाले हैं और उसके बाद जून माह में विभिन्न ग्लोबल मीटिंग भी है और उनमें शामिल होने के लिए क्या फिर मोदी बतौर प्रधानमंत्री जाएंगे या अन्य कोई इसका फैसला जनता खुद कर देगी..?

बाबा रामदेव को फिर 'सुप्रीम' झटका, अब योग शिविर के लिए चुकाना होगा सर्विस टैक्स

नई दिल्ली ■

योग गुरु स्वामी रामदेव को सुप्रीम कोर्ट से फिर झटका लगा है. अब उनके योग शिविर सर्विस टैक्स के दायरे में आ गए हैं. स्वामी रामदेव के योग शिविरों का आयोजन करने वाली संस्था 'पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट' अब सर्विस टैक्स यानी सेवा शुल्क का भुगतान करना होगा.

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस अभय एम ओक और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने इस सिलसिले में सर्विस टैक्स अपीलेट ट्राइब्यूनल के फैसले को बरकरार रखा है. सर्विस टैक्स अपीलेट ट्राइब्यूनल ने अपने फैसले में पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट को आवासीय

और गैर-आवासीय दोनों योग शिविरों के आयोजन के लिए सर्विस टैक्स का भुगतान अनिवार्य बताया था. बता दें कि पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट स्वामी रामदेव के योग शिविरों के लिए प्रवेश शुल्क लेती है. जस्टिस ओक और जस्टिस भुइयां की पीठ ने अपने फैसले में कहा, 'सर्विस टैक्स अपीलेट ट्राइब्यूनल ने सही कहा है. प्रवेश शुल्क लेने के बाद तो शिविरों में योग एक सेवा (सर्विस) है. हमें ट्राइब्यूनल के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखता. लिहाजा पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट की अपील खारिज की जाती है.' इसी के साथ अदालत ने सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्राइब्यूनल की इलाहाबाद पीठ के 5 अक्टूबर, 2023 के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया. दरअसल CESTAT ने माना था कि पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट की ओर से आयोजित योग शिविर किसी भी व्यक्ति से भागीदारी के लिए शुल्क लेता है. यह , इसलिए ट्रस्ट द्वारा आयोजित योग शिविर सर्विस टैक्स के दायरे में आने चाहिए.

न्यूज ब्रीफ

बुलावा अभियान के अंतर्गत पीले चावल देकर मतदाताओं को दिया जा रहा है मतदान का न्योता

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर संभाग में लोकसभा चुनाव को देखते हुए मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने के लिए अनेक नवाचार किये जा रहे हैं। अनेक गतिविधिया भी लगातार चलाई जा रही है। इसी के तहत संभाग के खरगोन जिले में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए बुलावा अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के माध्यम से मतदाताओं को घर-घर जाकर पीले चावल देकर मतदाताओं को मतदान के लिए न्योता दिया जा रहा है। खरगोन कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कर्मवीर शर्मा और स्वीप जिला नोडल अधिकारी श्री आकाश सिंह के मार्गदर्शन में लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से बुलावा अभियान प्रारंभ किया गया है। बुलावा अभियान के तहत रविवार को जिले के विभिन्न गांवों में घर-घर जाकर पीले चावल देकर मतदाताओं को मतदान करने का न्योता दिया गया। घर-घर न्योता देकर जिला प्रशासन की टीम द्वारा लोगों को लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत मतदान तिथि और समय बताया जा रहा है। बुलावा अभियान के तहत मतदाताओं से अपने मताधिकार का उपयोग जरूर करने की अपील की जा रही है और उन्हें मतदान करने का आमंत्रण पत्र भी दिया जा रहा है। इसके साथ ही उन्हें अपने आस-पड़ोस के मतदाताओं को भी मतदान के लिए प्रेरित करने कहा जा रहा है। इस दौरान मतदाताओं को यह भी बताया जा रहा है कि प्रशासन द्वारा सभी मतदान केंद्रों में सुलभ मतदान की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों की सहूलियत के लिए रैंप भी बनाए गए है। साथ ही मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केंद्रों में पेयजल, छायादार शेड, व्हीलचेयर आदि की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा मतदान केंद्रों में दिव्यांग, बुजुर्ग एवं गर्भवती मतदाताओं को भी किसी तरह की परेशानी न हो इसका भी विशेष ध्यान रखा जायेगा।

हिन्दी में इंजीनियरिंग पढ़ने के लिए छात्रों में रुझान नहीं , अभी से सताने लगा छात्रों को प्लेसमेंट का डर

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। एक ओर जहां चिकित्सा और इंजीनियरिंग क्षेल में हिन्दी भाषा में अलग से पढाई प्रारंभ की गई है तो दूसरी ओर सरकार के इस प्रयास को लेकर छात्रों में कोई उत्साह नहीं दिखाई दे रहा है। इसी के चलते जीएसआईटीएस में हिन्दी की पढ़ाई के लिए तय की गई सीटों में छात्र प्रवेश नहीं ले रहे हैं। जबकि अंग्रेजी में एडमिशन के लिए कतार लगी हुई है। हिन्दी में पढ़ाई के लिए तय की गई सीटों के लिए वार्षिक परीक्षा में भी भारतीय भाषाओं में ही देने की व्यवस्था की गई है। इस मामले में कालेज के लिए प्रोफेसरों का कहना है कि अधिकांश छात्रों के लिए इंजीनियरिंग करने के बाद विदेशों में भी दरवाजे खुले रहते है। ऐसे में उन्हें हिन्दी की बजाए इंग्लिश को ही प्राथमिकता देना रहती है। अभी तक हिन्दी में पढ़ाई के लिए मात्र पंद्रह छात्रों ने ही प्रवेश लिया है। इसका मुख्य कारण यह भी है कि शासन ने भले ही इंजीनियरिंग को हिंदी में तब्दील कराया हो ,लेकिन इस पढ़ाई को खत्म करने के बाद प्लेसमेंट की समस्या आ सकती है। इंजीनियरिंग करने वाले छात्र या तो प्रशासनिक नौकरी में डाइवर्ट होते हैं या फिर विदेशों में जाकर बेहतर नौकरी चुनते है। शासन को अब विदेश मंत्रालय से कोऑर्डिनेट कर हिंदी में उक्त डिग्री लेने वालो छात्रों के लिए भी विशेष व्यवस्था करनी चाइए, ताकि उनका उत्साह वर्धन होने के साथ अधिक से अधिक छात्र इसमें रुचि ले सके।

गर्मी से मिलेगी राहत, सप्ताह अंत में बूंदों से भीगेगा शहर, तपिश बरकरार रहेगी

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। शहर में इस सप्ताह गर्मी की तपिश बरकरार रहेगी। सप्ताह के पांच दिन मौसम शुष्क रहेगा। हालांकि दिन में हल्के बादल छाने के कारण भीषण गर्मी से शहरवासियों को राहत मिलेगी। सप्ताह की शुरूआत में गर्मी से राहत रहेगी। सप्ताह के अंत में दो दिन बादल छाने के साथ हल्की बूंदाबांदी होने से शहरवासियों को गर्मी से हल्की राहत मिलने की संभावना है। भोपाल स्थित मौसम केंद्र के मौसम विज्ञानियों के मुताबिक वर्तमान में उत्तरी पाकिस्तान पर एक पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है। वहीं एक द्रोणिका विदर्भ से लेकर मध्य अरब सागर तक जा रही है। इसके अलावा इस सप्ताह में 22 अप्रैल की पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। यह पश्चिमी उत्तर पूर्व भारत को प्रभावित करेगा। ऐसे में आगामी सप्ताह में अरब सागर से नमी मिलने के कारण सप्ताह के अंत में गरज-चमक के साथ वर्षा की गतिविधियां दिखाई देंगी। वर्तमान में उत्तर पश्चिमी हवाएं अभी 16 से 18 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चल रही है। 23 से 25 अप्रैल के बीच हवाएं 10 से 12 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलेगी। हालांकि 26 अप्रैल के बाद हवाएं तेज गति से चलेगी। ऐसे में दिन में तापमान में बढ़ोतरी रहेगी। और शाम को गर्मी से राहत रहेगी।

शहरों में पढ़ने आए लाखों युवा नहीं डालेंगे वोट, प्रशासन को वोटिंग बढ़ाने की चिंता

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

लोकसभा चुनाव शुरू हो चुके हैं और मतदाता देश की नई सरकार के लिए मतदान कर रहे हैं। मध्यप्रदेश के भोपाल में 7 मई और इंदौर में 13 मई को मतदान होना है। मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है। जिन लोकसभा सीटों पर अभी तक मतदान हुआ है इनमें सामने आया है कि पिछले चुनाव से मतदान कम हो रहा है। इसी चिंता में प्रदेश में भी प्रशासन दिनरात लोगों से मतदान में भाग लेने की अपील कर रहा है। कालेज, कोचिंग, रहवासी संघ से लेकर तमाम जगहों पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इन सबके बीच इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर जैसे बड़े शहरों में पढ़ने या नौकरी करने आए युवाओं से वोट डलवाना अपने आप में बड़ी चुनौती है। प्रदेश के पांच से सात लाख छात्र अलग अलग कोचिंग और कालेज में सिर्फ इन चार शहरों में पढ़ाई कर रहे हैं जिनके वोट डालने के लिए अपने शहर में जाने की संभावना बहुत कम है।

इंदौर में पढ़ रहे प्रदेशभर के छात्र

इंदौर में 18 साल से अधिक के एक लाख से अधिक छात्र अलग अलग कालेज, कोचिंग में पढ़ाई कर रहे हैं। ये युवा वोटर लोकसभा चुनाव में वोट डालने के लिए अपने शहर में नहीं जाते हैं। इसी तरह भोपाल में भी लगभग एक लाख से अधिक छात्र पढ़ाई करते हैं। ग्वालियर, जबलपुर में भी इनके आसपास के जिलों के छात्र बड़ी संख्या में पढ़ाई करने के लिए आते हैं।

प्रदेश में 22 लाख युवा पहली बार वोट डालेंगे

मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुपम राजन के अनुसार राज्य में इसके अलावा, 22,36,564 फर्स्ट टाइम वोटर हैं। प्रदेश में मतदाताओं की संख्या

5,60,60,925 है, जिनमें से 2,88,25,607 पुरुष मतदाता 2,72,33,945 महिला मतदाता और थर्ड जेंडर मतदाता 1373 हैं। वहीं, राज्य में सर्विस वोटरों की कुल संख्या 75,304 है, जिसमें 73,020 पुरुष और 2,284 महिला वोटर हैं। राजन ने कहा, इसलिए, अंतिम प्रकाशन के अनुसार राज्य में कुल 5,61,36,229 वोटर्स रजिस्टर्ड हैं।

इंदौर में 23 प्रतिशत युवा मतदाता

इंदौर जिले में कुल 27 लाख 92 हजार 221 मतदाता हैं। इनमें युवा वोटरों की संख्या 6 लाख 60 हजार 761 है। इसका ये मतलब है कि इंदौर में कुल वोटर्स का 23.66 फीसदी युवा मतदाता हैं।

सभी पार्टियां युवाओं को रिझा रही

इस बार के चुनाव में 22 लाख युवा पहली बार वोट डालेंगे। इतनी बड़ी संख्या को देखते हुए सभी पार्टियां युवाओं पर खासा फोकस कर रही हैं। सोशल मीडिया पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, इन्फ्लुएंसर्स से प्रमोशन करवाया जा रहा है।

हम युवाओं के लिए विशेष जागरूकता अभियान चला रहे

कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि हम युवाओं को मतदान के लिए जागरूक कर रहे हैं। कालेज, कोचिंग और युवाओं के ग्रुप्स के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हम पूरे प्रयास कर रहे हैं कि इस बार के चुनाव में पिछली बार से अधिक मतदान हो।

ग्यारह हजार दीपों से रोशन हुई इंदौर की वीर बगीची, अलीजा सरकार का मोहक श्रृंगार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहर के पश्चिम क्षेत्र के पंचकुइया स्थित वीर बगीची में तीन दिवसीय हनुमान जन्म महोत्सव रविवार को शुरू हुआ। इस अवसर पर भगवान के मोहक श्रृंगार दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगी।मंदिर परिसर को 11 हजार दीपों से रोशन किया गया। इसके साथ जयश्री राम की रंगोली सजाई गई। महाआरती में भक्तों ने आराध्य के जयघोष लगाए।

वीर अलीजा भक्त मंडल ने बताया कि बाल ब्रह्मचारी प्रभुवानंद सद्गुरु महाराज के शिष्य बाल ब्रह्मचारी पवनानंद महाराज के सान्निध्य में सुबह अलीजा सरकार का अभिषेक कर दीपदान महोत्सव मनाया गया। मंदिर परिसर के मुख्य द्वार पर बालिकाओं द्वारा जय श्रीराम रंगोली सजाई गई। सोमवार को सुबह 9 बजे राजाधिराज वीर

अलीजा सरकार का केसर, औषधियों के जल, चंदन, इत्र, दूध, सात पवित्र नदियों का जल, पंचामृत और भस्म से महाअभिषेक किया जाएगा। अभिषेक 11 विद्वानों एवं आश्रम के वेदपाठी बटुकों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया जाएगा।

जन्मोत्सव पर होगा स्वर्ण श्रृंगार

दोपहर 12 बजे महाआरती एवं इसी दिन अखण्ड रामायण पाठ की शुरूआत भी होगी। यह सुबह 9 बजे से प्रारंभ होकर अगले दिन सुबह 9 बजे तक जारी रहेगी। हनुमान जन्मोत्सव पर स्वर्ण श्रृंगार किया जाएगा।

मतदान प्रारंभ करने के डेढ़ घंटे पहले मॉक पोल होगा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

लोकसभा का चुनाव कराने नियुक्त मतदान दलों के पीठासीन अधिकारियों को अपने-अपने मतदान केन्द्र में वास्तविक मतदान प्रारंभ करने के डेढ़ घंटे पहले मॉक पोल (दिखावटी मतदान) कराना होगा। निर्वाचन आयोग के मुताबिक मॉक पोल में कम से कम 50 मतों का होना चाहिए और इसे उम्मीदवारों के मतदान अभिकताओं की मौजूदगी में कराना चाहिए।

पीठासीन अधिकारी को मॉक पोल के परिणामों से मतदान अभिकताओं को अवगत कराना होगा। निर्वाचन आयोग के मुताबिक पीठासीन अधिकारी मतदान प्रारंभ होने के डेढ़ घंटे पूर्व मॉक पोल (दिखावटी मतदान) करायेंगे। मॉक पोल प्रारम्भ करते समय कम से कम दो अभ्यर्थियों के मतदान अभिकर्त्ता उपस्थित रहना चाहिये । यदि मॉक पोल के समय कोई भी मतदान अभिकर्त्ता उपस्थित न हो, ऐसी स्थिति में पीठासीन अधिकारी अधिक से अधिक 15 मिनट मॉक पोल शुरू करने के लिये प्रतीक्षा कर सकता है, और यदि तब भी कोई मतदान अभिकर्त्ता नहीं आते हैं तो पीठासीन अधिकारी मॉक पोल शुरू कर सकते हैं। मॉक पोल में यह सुनिश्चित करना होगा कि मतदान कोष्ठ में सभी अभ्यर्थियों के लिए मत डाले गये हैं । निर्वाचन आयोग के अनुसार मॉक पोल (दिखावटी मतदान) प्रारंभ करने के पहले ईव्हीएम की बैलेट यूनिट तथा व्हीव्हीपेट को मतदान प्रकोष्ठ में रखना होगा, जबकि ईव्हीएम की कंट्रोल यूनिट को पीठासीन अधिकारी अथवा उस मतदान अधिकारी के टेबल पर रखना होगा, जो बैलट यूनिट और व्हीव्हीपेट मशीन सही प्रकार से जोड़ने के बाद कंट्रोल यूनिट का इस्तेमाल करेगा। मॉक पोल में डाले गये मतों का अभिलेख पीठासीन अधिकारी अथवा मतदान अधिकारी को रखना होगा।

बीपीओ की टीम लीडर ने होटल में लगाई फांसी, मौके पर नहीं मिला सुसाइड नोट

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में सनसनीखेज मामला सामने आया है। विजय नगर में स्थित निजी होटल में एक 24 साल की युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह बीपीओ में टीम लीडर की पोस्ट पर थी। युवती इंदौर में दोस्तों से मिलकर अहमदाबाद जाने वाली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

पूजा की दोस्त श्वेता ने हाल-चाल जानने के लिए रविवार को कॉल किया, लेकिन पूजा ने कॉल नहीं रिसीव किया। इसके कुछ देर वह होटल पहुंच गई। यहां उसने रिसेप्शन पर मौजूद स्टाफ से

जानकारी ली तो उन्होंने रूम में होने की जानकारी दी। इसके बाद श्वेता पूजा के कमरे में पहुंची। बहुत देर तक डोर बजाई लेकिन रूम से पूजा बाहर नहीं निकली। इसके बाद स्टाप ने चाबी की मदद से पूजा के कमरे का लॉक खोला तो देखा कि अंदर पूजा का शव खिड़की पर लटका था।

कुछ महीने पहले ही माता-पिता के पास गई थी

इस पूरे मामले पर विजय नगर थाना प्रभारी सीबी सिंह का कहना है कि पूजा पहले इंदौर के कॉल सेंटर में जॉब करती थी। इसके बाद उसकी जॉब अहमदाबाद की कंपनी में लग गई। वहां जाने से पहले इंदौर अपमने दोस्तों से मिलने आई थी। रविवार को उसे फ्लाइट से अहमदाबाद जाना था। वह कुछ महीने पहले ही अपने माता-पिता से मिलने हैदराबाद गई थी। पुलिस के मुताबिक, मौके पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पूजा के पिता को फोन करके घटना की जानकारी दी गई है। परिवार के लोगों ने इंदौर आने के लिए कहा है। पुलिस ने पूजा का फोन जब्त कर लिया है।

टीआइ राधा समेत तीन को मिला 'ट्रैफिक पुलिस आफिसर आफ द वीक' पुरस्कार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

पलासिया स्थित यातायात प्रबंधन कार्यालय में रविवार को एडीसीपी, एसीपी, थाना प्रभारी एवं निरीक्षकों की समीक्षा बैठक हुई। इसमें यातायात पुलिसकर्मियों के उत्साहवर्धन के लिए शुरू हुई 'ट्रैफिक पुलिस आफिसर आफ द वीक' योजना के दूसरे सप्ताह के लिए विजेताओं की घोषणा हुई।

इस दौरान जोन 4 में निरीक्षक राधा यादव, गीता भवन चौराहे पर एएसआइ नारेंद्र चतुर्वेदी, पाटनीपुरा चौराहे पर एएसआइ जिनेंद्र मंडलोई को 'ट्रैफिक पुलिस आफिसर आफ द वीक' के लिए चुना गया। डीसीपी अरविंद तिवारी

ने सभी को मेडल, प्रशस्ति पत्र, बैज, नकद पुरस्कार दिए।

स्वजन ने पहनाया मेडल

कार्यक्रम में विजेताओं के स्वजन भी शामिल हुए। निरीक्षक राधा यादव को उनकी बहन, एएसआइ मंडलोई को उनकी बेटी, एएसआइ चतुर्वेदी को पत्नी ने मेडल पहनाया। ड्यूटी पर बेहतर यातायात प्रबंधन करने के लिए प्रधान आरक्षक अरविंद उपलावादिया, आरक्षक विजयपाल तोमर, महिला आरक्षक आरती वसुनिया को भी प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार दिया गया।

हॉस्पिटल में इंदौर पुलिस की साइबर पाठशाला में एडिशनल डीसीपी क्राइम ने दिया ये गुरु मंत्र

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर पुलिस द्वारा साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये, इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में दिनांक 20.04.24 को अति. पुलिस उपायुक्त क्राइम इंदौर टीम के साथ कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल इंदौर में पहुंचकर, डॉक्टर्स, नर्सिंग व मैनेजमेंट स्टाफ को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया।

सायबर अवेयरनेस के तहत कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में एडीशनल डीसीपी क्राइम श्री राजेश दंडोतिया ने, अपनी 216 वीं कार्यशाला में हॉस्पिटल के डॉक्टर्स, नर्सिंग व मैनेजमेंट स्टाफ के करीब 150 लोगों को वर्तमान समय के साइबर अपराधों के प्रकारों और इनसे बचने के तरीकों की जानकारी देते हुए, पुलिस के पास आने वाली साइबर अपराधों की

शिकायतों की केस स्टडी के आधार पर, विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड, फाइनेंशियल फ्रॉड के साथ ही सोशल मीडिया से संबंधित साइबर क्राइम आदि के बारे में विस्तृत रूप से बताते हुए इनसे बचने की टिप्स दिए। उन्होंने सभी से कहा कि विभिन्न बीमारियों से बचाव व स्वस्थ जीवन के लिये जिस प्रकार आप लोग दवाइयां के साथ ही उचित देखभाल से हमारी बीमारियों से रक्षा करते हैं, उसी प्रकार सावधानी और जागरूकता रख हम अपनी वर्चुअल लाइफ में साइबर अपराधों से बचाव कर सकते हैं। अतः डिजिटल किसी भी काम को करते समय पूर्ण सावधानी रखें, फर्जी लिंक, फर्जी लोन ऐप्प, फर्जी निवेश प्लेटफार्म से बचकर रहे और अपनी निजी जानकारी किसी भी अनजान व्यक्ति से शेयर ना करें। इस अवसर पर संस्थान के डॉक्टर्स, नर्सिंग व मैनेजमेंट स्टाफ भी उपस्थित रहे, जिन्होनें भी साइबर सुरक्षा की इन महत्वपूर्ण सावधानियां को जाना और इंदौर पुलिस के इस अभियान की तारीफ की। इंदौर पुलिस द्वारा साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने के इस अभियान के तहत, यदि कोई स्कूल/कॉलेज, संस्थान, इकाई, कॉलोनी आदि में भी साइबर अवेयरनेस की कार्यशाला आयोजित करना चाहता है या कोई जानकारी चाहता है तो वह इंदौर पुलिस के नंबर 7049108197 पर संपर्क कर सकता है।

जानकार या विद्वान नहीं, ज्ञानी बनो...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों, मेरी नज़र में जानकार होना और ज्ञानी होना दो बिलकुल अलग-अलग बातें हैं, जिनमें कई समानताएँ भी नज़र आती है। अपनी बात को मैं आपको हनुमान जी और रावण के एक प्रसंग से समझाने का प्रयास करता हूँ। रावण एक जानकार था, उसे चारों वेद और छहों शास्त्र की जानकारी थी। इसीलिए उसे दस सिरों वाला कहा गया है। इसी बात को दूसरे शब्दों में कहूँ तो जिस व्यक्ति के सिर में चारों वेद और छहों शास्त्र भरे हों उसे दस शीश वाला कहा गया है। इसीलिए मैं उसे जानकार या विद्वान मानता हूँ, लेकिन विडंबना है कि सीता जी का हरण करते वक़्त उसे चारों वेद और छहों शास्त्र सही रास्ता नहीं दिखा पाए।

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

इतिहास में ऐसे अनेकों उदाहरण मिलते हैं जिसमें रावण जैसे विद्वान लोगों ने अपनी विद्वता के कारण दूसरों को शांति से रहने नहीं दिया है। उनका जानकार याने विद्वान होने का अभिमान या अहंकार दूसरों की शांति रूपी सीता का हरण करता है। इसके ठीक विपरीत ज्ञानी याने विधावान होना लोगों को शांति रूपी सीता से मिला देता है। वैसे दोस्तों, जानकार याने विद्वान और ज्ञानी याने विद्यावान होने में कई समानताएँ भी नज़र आती हैं। जैसे, असीमित क्षमता होने के बाद भी हनुमान जी जब भगवान राम का सन्देश लेकर रावण के दरबार में गए थे, तब हनुमान जी ने हाथ जोड़कर रावण से विनती करते हुए अपनी मंशा बताई थी। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि हनुमान जी रावण से कमजोर थे? जी नहीं, बिलकुल भी नहीं! हनुमान जी का विनती करना असल में उनका भय नहीं, भाव से भरा होना है। असल में विनती दोनों तरह के लोग करते हैं, जो भय से भरे हों, वे भी और जो भाव से भरे हों वे भी। लेकिन अगर आप हनुमान जी की हाथ जोड़ कर की गई विनती पर रावण की प्रतिक्रिया देखेंगे तो पाएँगे कि उसने अपने अभिमान या अहंकार की वजह से इसे हनुमान जी की कमजोरी माना था और सोचा था कि हनुमान जी उससे डर गये हैं। इसलिए उसने अपने दरबार में हाथ जोड़े खड़े देवता और दिग्पाल की ओर इशारा करते हुए कहा था कि 'देखो यहाँ कितने लोग मेरे सामने हाथ जोड़कर खड़े हैं।' लेकिन अगर आप ध्यान से देखेंगे तो पाएँगे कि हनुमान जी, देवता और दिग्पालों के समान भय से नहीं, भाव की वजह से हाथ जोड़े खड़े थे। इसीलिए रावण ने घमंड से भरकर कहा था, 'शायद तुमने मेरे बारे में सुना नहीं है? तभी तू बहुत निडर दिख रहा है!' इसपर हनुमान जी ने कहा था, 'क्या तुम्हारे सामने डरते हुए आना ज़रूरी है?' ऐसे में दोस्तों, एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है कि हनुमान जी रावण के दरबार में इतनी स्पष्टता और निर्भीकता के साथ अपनी बात कैसे कह पाए? मेरी नज़र में इसकी वजह हनुमान जी का भगवान राम के प्रति समर्पण था, जो उन्हें हर पल, हर हाल में, हर जगह भगवान राम के प्रति भावों से भरा रखता था और उनकी मौजूदगी का एहसास कराता था। इसीलिए रावण को हनुमान जी प्रभु और स्वामी कहकर संबोधित करते हैं। इसके विपरीत रावण अपने अहंकार में उन्हें खल और अधम कहकर संबोधित करता है। यही दोस्तों, ज्ञानी याने विद्यावान होने का लक्षण है। सीधे-सीधे कहा जाए तो जो जानकार याने विद्वान; अपने को गाली देने वाले में भी भगवान देख ले, वही ज्ञानी और विद्यावान है। जी हाँ साथियों, जो पढ़-लिखकर विनम्र हो जाये, वह ज्ञानी याने विद्यावान और जो पढ़-लिखकर अकड़ जाये, वह विद्वान। इसीलिए तुलसी दास जी ने कहा है, 'जैसे, बादल जल से भरने पर नीचे आ जाते हैं, वैसे ही विचारवान व्यक्ति, विद्या पाकर विनम्र हो जाते हैं।' जैसे उपरोक्त घटना में हमने देखा था कि हनुमान जी विनम्र थे और रावण, विद्वान। इसी बात को अगर हम दूसरे नज़रिए से देखें तो कहा जा सकता है कि पढ़ने-लिखने से जिसकी दिमाग़ी क्षमता तो बढ़ जाए, लेकिन जिसके दिल में नकारात्मकता याने ख़राबी हो; जिसके हृदय में अभिमान हो, वह विद्वान है। अब आपके मन में प्रश्न आ सकता है कि फिर विद्यावान कौन है? तो मैं कहूँगा, पढ़ाई-लिखाई से दिमाग़ी क्षमता बढ़ने के बाद भी जिसमें अभिमान और अहंकार ना आए। जो अपनी दिमाग़ी क्षमता का उपयोग सकारात्मक नज़रिये से, अपने हृदय में भगवान को बैठा कर करे, वही विद्यावान है। इसीलिए तो हनुमान जी ने कहा था, 'रावण, और सब तो ठीक है, पर तुम्हारा दिल ठीक नहीं है। अपने हृदय में राम जी को बिठा लो और फिर मजे से लंका में राज करो।' इसलिए दोस्तों, जीवन में जानकार याने विद्वान नहीं, अपितु, ज्ञानी याने विद्यावान बनने का प्रयत्न करो।

परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी मालवा एक्सप्रेस

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। अंबाला रेल मंडल में चल रहे किसान आंदोलन के चलते मालवा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से संचालित की जाएगी। रविवार को महू से इंदौर आकर कटरा की ओर रवाना हुई मालवा एक्सप्रेस वाया जाखल- धूरी-लुधियाना होकर जाएगी। इसी तरह वापसी में यह ट्रेन वाया लुधियाना-धूरी-जाखल होकर महू आएगी।

इंद्र बने 108 युवाओं ने नंगे पैर खींचा भगवान महावीर का रजत रथ

राजवाड़ा से दलालबाग तक निकले श्वेतांबर जैन समाज के चल समारोह में पिछले वर्ष के मुकाबला रहा दोगुना उल्लास

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

अखिल भारतीय श्वेतांबर जैन महासंघ की भागीदारी में महावीर जयंती पर रविवार को इंदौर में भगवान महावीर के 2622 जन्म कल्याणक का उल्लास देखते ही बन रहा था। साढ़े चार किलोमीटर लंबे मार्ग पर निकले ढाई किलोमीटर लंबे चल समारोह में इंद्र बने 108 युवा नंगे पैर भगवान महावीर के रजत रथ को खींच रहे थे। राजवाड़ा से दलालबाग तक निकाले गई चल समारोह में पिछले वर्ष के मुकाबले दोगुना उल्लास नजर आया। इसके पीछे समाजजन का तर्क रविवार की छुट्टी का होना बताया जा रहा था।

चल समारोह में 64 दिव्य कुमारिया चारित्रिक वेशभूषा में थी, जबकि 72 महिला मंडल भजन गाते हुए चल रहे थे। महासंघ के अध्यक्ष कैलाश नाहर और प्रचार सचिव योगेंद्र सांड के अनुसार चल समारोह में भगवान-महावीर के जीवनचरित्र और शाकाहार अपनाओ पर आधारित चलित झांकियां भी थी। महिलाएं केसरिया वस्त्र और पुरुष सफेद वस्त्र में शामिल हुए।

रास्ते में जगह-जगह फूल बरसाकर किया स्वागत

जहां से चल समारोह निकला समाजजन ने फूल बरसाकर स्वागत किया। सबसे आगे घोड़े, बग्घियां और बैंडबाजे थे। गोराकुंड चौराहा, मल्हारगंज, बड़ा गणपति चौराहा, महावीर बाग से होते हुए चल समारोह दलालबाग पर धर्मसभा में परिवर्तित हुआ। इस मौके पर सांसद शंकर लालवानी, अक्षय कांति बम, दीपक भटेवरा, सुधीर सेठिया, अशोक गुडवाला, भंवरलाल कांसवा व राजेन्द्र जैन आदि मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

महिला अधिकारी के गाल छूने में ज्वाइंट डायरेक्टर दोषी, जांच रिपोर्ट तैयार

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर के ट्रेजरी ज्वाइंट डायरेक्टर टीएस (तेरसिंह) बघेल की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। उनके खिलाफ महिला अधिकारी ने शिकायत की थी और उस मामले की जांच रिपोर्ट आ चुकी है। जांच में बघेल को दोषी बताया गया है। अब जांच रिपोर्ट कलेक्टर आशीष सिंह को सौंपी जाएगी। महिला अधिकारी ने शिकायत में बताया कि 13 मार्च को वह अपने ऑफिस में काम कर रही थी। तभी विभाग के प्रमुख बघेल आए और कहा कि कहां थी, दिख नहीं रही थी। मैंने कहा मैं तो यहीं काम कर रही थी। इसके बाद वे मेरे पीछे आए और मेरे गालों पर हाथ लगाया। मैंने इसका विरोध किया तो वहां से चले गए। इसके बाद जब मैंने मैं अपने साथी अधिकारियों के साथ उनके कक्ष में आपत्ति लेने के लिए गई तो उन्होंने कहा हां मुझसे गलती हो गई मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था। इसके बाद वे बोले कि गाल पर ही तो हाथ लगाया कहीं और तो हाथ नहीं लगाया। इसके बाद महिला अधिकारी ने इसकी शिकायत कमिश्नर और महिला आयोग को की। इसके बाद मामले में कलेक्टर आशीष सिंह ने इसकी जांच के लिए एक कमेटी बनाई जिसने जांच में यह पाया कि महिला की शिकायत सही है।

हस्ताक्षर के पहले लगाई जायेगी मतदाता की बायीं तर्जनी पर अमिट स्याही- अंगुली का निरीक्षण भी करेंगे मतदान अधिकारी

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के मुताबिक लोकसभा चुनाव में मतदान केन्द्र पर वोट डालने पहुंचे मतदाता की बायीं तर्जनी पर अमिट स्याही का निशान मतदाता रजिस्टर पर उसके हस्ताक्षर करने के पहले लगाया जायेगा। ऐसा इसलिए किया जायेगा ताकि मत देने के बाद मतदाता के मतदान केन्द्र छोड़ने तक अमिट स्याही को सूखने और एक सुस्पष्ट अमिट चिन्ह बनने के लिए पर्याप्त समय मिल जाये। मतदाता की अंगुली पर अमिट स्याही नाखून से लेकर अंगुली के पहले पोर तक लगायी जायेगी। निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अमिट स्याही लगाने के पहले मतदान अधिकारियों द्वारा मतदाता की बायीं तर्जनी का निरीक्षण भी किया जायेगा। यदि निरीक्षण में यह देखने में आता है कि किसी मतदाता ने अमिट स्याही के चिन्ह को प्रभावहीन करने के लिए अपनी अंगुली पर तैलीय या चिकनाईयुक्त पदार्थ लगा लिया है तो मतदान अधिकारी द्वारा उस मतदाता की अंगुली पर अमिट स्याही का चिन्ह लगाने के पहले किसी कपड़े के टुकड़े की सहायता से ऐसा तैलीय या चिकनाईयुक्त पदार्थ को हटा दिया जायेगा। आयोग के निदेर्शों में मतदान अधिकारियों से स्पष्ट कहा गया है कि यदि कोई मतदाता निदेर्शों के विपरीत अपनी बायीं तर्जनी का निरीक्षण करने या अमिट स्याही लगाने से इंकार करे या उसकी बायीं तर्जनी पर ऐसा कोई चिन्ह पहले से ही हो अथवा वह स्याही को हटाने की दृष्टि से कोई भी कृत्य करे तो उसे मत देने के लिए अनुमति नहीं दी जाये।

अब कांग्रेस नहीं बदलेगी धार प्रत्याशी 24 अप्रैल को मुवेल भरेंगे नामांकन

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। धार लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार राधेश्याम मुवेल का टिकट काटकर दूसरे नेता को दिए जाने के आसार कम हो गए है। कांग्रेस अब उन पर ही भरोसा जताने का मन बना चुकी है और सारे संशय दूर हो गए है। राधेश्याम अब 24 अप्रैल को नामांकन फार्म भी भरने जा रहे है। धार लोकसभा सीट से कांग्रेस को उम्मीद है, क्योकि विधानसभा चुनाव में जिले की आठ सीटों में से छह सीट कांग्रेस ने जीती है। इस बार कांग्रेस ने इस सीट से नए चेहरे राधेश्याम मुवेल को टिकट दिया था, लेकिन उन पर निष्क्रियता के आरोप लगे थे, क्योकि टिकट तय होने के बाद उन्होंने चुनाव कार्यालय नहीं खोला था। इसके बाद उनका टिकट काट कर जयस नेता महेंद्र कनौज को टिकट दिए जाने की चर्चा थी। बाद में उंमग सिंगार ने मुवेल पर भरोसा जताया और अब वरिष्ठ पदाधिकारियों ने मुवेल को पुरी तैयारी के साथ चुनाव लड़ने को कहा है। इस मामले में राधेश्याम मुवेल का कहना है कि टिकट मिलने के बाद वे ग्रामीण क्षेत्रों में चुनाव प्रचार करने चले गए थे। इस कारण चुनाव कार्यालय खोले जाने में देरी हुई। इसका मतलब यह नहीं था कि वे चुनाव कमजोर तरीके से लड़ रहे है। मुवेल ने कहा कि उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेतागणों से चर्चा हो चुकी है। अब धार में टिकट नहीं बदलेगा। मैं 24 अप्रैल को नामांकन भी जमा कर रह हुं। धार लोकसभा सीट पर वर्ष 2009 में कांग्रेस के गजेंद्र राजूखेड़ी चुनाव जीते थे। इसके बाद धार लोकसभा सीट का परिसीमन हो गया। वर्ष 2014 में भाजपा उम्मीदवार सावित्री ठाकुर सांसद बनी थी और वर्ष 2019 में छतर सिंह दरबार चुनाव जीते। भाजपा ने इस बार फिर सावित्री को उम्मीदवार बनाया है।

गुंडे, बदमाशों एवं असमाजिक तत्वों के विरुद्ध इंदौर पुलिस की सर्जिकल स्ट्राइक

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। शहर में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण हेतु पुलिस कमिश्नर इंदौर के मार्गदर्शन में इंदौर शहर के चारों जोन के डीसीपी के नेतृत्व में, दिनांक 20-21 अप्रेल की दरमियानी रात से सुबह तक नगरीय इंदौर के संबंधित क्षेत्र के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों व थाना प्रभारियों के साथ पुलिस फोर्स ने सभी थाना क्षेत्रों में गुंडे बदमाशों असामाजिक तत्व पर निगरानी एवं धरपकड़ के लिए कॉम्बिंग गश्त की गई। इस दौरान इंदौर पुलिस द्वारा गुंडे/बदमाशों व असामाजिक तत्वों की निगरानी करते हुए लगभग कुल 799 बदमाशो को चेक करते हुए, उनमे से 382 पर की उचित वैधानिक कार्यवाही की गई हैं.... जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रकरणों में वांछित कुल 361 से ज्यादा वारंटों को कराया गया तामील, जिसमें लंबे समय से फरार-.., 01-फरारी, 102-स्थाई, 133-गिरफ्तारी और 125 जमानती वारंट तथा 121 समंस भी किए तामील। इस दौरान अवैधानिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए, अवैध शराब के 06 प्रकरण तथा अवैध हथियार के साथ घूमते हुए मिलने पर 05 प्रकरण पंजीबद्ध कर बदमाशों के विरूद्ध की वैधानिक कार्यवाही। वही अवैध मादक पदार्थों का सेवन करने वाले 02 प्रकरण पंजीबद्ध कर असामाजिक तत्वों पर की कार्यवाही।

आठ माह में तैयार हो जाएगा 200 जान ले चुके गणपति घाट का बायपास, डेढ़ साल पहले मिली थी मंजूरी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुबंई- आगर नेशनल हाइवे के सबसे बड़े ब्लैक स्पॉट गणपति घाट पर अब हादसे नहीं होंगे। एनएचएआई ने इस घाट का बायपास तैयार कर लिया है, जो आठ किलोमीटर लंबा है। बायपास का बेस वर्क तैयार हो चुका है। आठ माह में सड़क बनकर तैयार हो जाएगी। इंदौर से सेंधवा की तरफ जाने वाले वाहन बायपास से होकर जा सकेंगे, जबकि सेंधवा से इंदौर के लिए घाट सेक्शन वाले मार्ग का ही उपयोग होगा।

धामनोद जिले में आने वाले इस घाट पर अक्सर हादसे होते हैं। 15 सालों में घाट के चार किलोमीटर हिस्से में 200 से ज्यादा लोग हादसों में अपनी जान गंवा चुके हैं। इस ब्लैक स्पॉट को खत्म करने के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बायपास निर्माण की मंजूरी डेढ़ साल पहले दी थी। मंजूरी के बाद छह माह वन विभाग की अनुमति में बीत गए। उसके बाद निर्माण शुरू हुआ है। पहाड़ी हिस्सा होने के कारण सड़क के लिए पहाड़ के कुछ हिस्से भी काटे जा रहे हैं। इस कारण निर्माण में समय लग रहा है। एनएचएआई अफसरों का कहना है कि आठ माह के भीतर बायपास पर ट्रैफिक शुरू हो जाएगा। नया बायपास नीमगढ़ से ढाल गांव के बीच 9 किलोमीटर लंबाई में बन रहा है। बायपास की चौड़ाई 30 मीटर है। बायपास के लिए एनएचएआई ने 33 हेक्टेयर जमीन अधिगृहित की है। इस प्रोजेक्ट पर 200 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं।

तेज ढलान के कारण हो जाते हैं वाहनों के ब्रेक फेल

गणपति घाट के चार किलोमीटर हिस्से में 15 सालों में 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। घाट के इस हिस्से का ढलान ज्यादा है। घाट पर बंद गाड़ी की स्पीड भी ढलान के कारण 70 तक पहुंच जाती है। ज्यादातर फर्शियों व पत्थरों से भरे वाहन यहां दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। ढलान के कारण फर्शियों का भार भी केबिन की तरफ जा आता है और स्पीड कंट्रोल करने के लिए ड्रायवर लगातर ब्रेक लगाते हैं। इससे ब्रेक फेल हो जाते हैं और भारी वाहन सड़क पर चल रहे दूसरे वाहनों को चपेट में ले लेते हैं। घाट पर सबसे ज्यादा हादसे वर्ष 2018 में हुए। उस साल 65 हादसों में 35 लोगों ने जान गंवाई थी और 99 लोग घायल हुए थे। 2017 में भी 29 मौतें घाट पर हुई थीं। बायपास निर्माण अवधि के दौरान भी गणपति घाट पर चार हादसे हो चुके हैं।

पहाड़ों को काट कर बनाया था घाट

15 साल पहले राऊ खलघाट फोरलेन के निर्माण के समय गणपति घाट पहाड़ों को काटकर बनाया गया था। तब तय नियमों के अनुसार रोड का ढलान तय किया गया था और उसकी डिजाइन के हिसाब से सड़क बनाई गई। पाथ कम्पनी को ठेका दिया गया था, लेकिन सड़क बनने के साल भर बाद ही हादसे होने लगे। हादसों को लेकर कंपनी का कहना है कि दिनभर में हजारों वाहन घाट से निकलते है। जिन वाहनों का फिटनेस नहीं होता है। उनके हादसे का खतरा ज्यादा रहता है। कई बार डीजल बचाने के लिए चालक वाहन बंद कर घाट पर गाड़ी चलाते है। उससे भी ब्रेक फेल होने का अंदेशा रहता है।

घर्षण से जल जाते हैं वाहन

घाट पर ज्यादा मौतें वाहनों के जलने से हुई है। दरअसल ब्रेक फेल होने से वाहन दूसरे वाहनों से टकराते हैं और उन्हें घसीटते हुए ले जाते हैं। इससे वाहन में घर्षण के कारण आग लग जाती है और वाहन में फंसे लोगों की जलने से मौत हो जाती है।

नर्मदा लाइन में फिर लीकेज, इंदौर के इन इलाकों में सोमवार को नहीं बंटेगा पानी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

एक बार फिर नर्मदा लाइन में लीकेज की वजह से शहर में जलापूर्ति बाधित होगी। एक माह में यह पांचवां मौका है, जब लाइन में लीकेज की वजह से शहरवासियों को परेशान होना पड़ेगा। नगर निगम के अधिकारी भी स्वीकार कर चुके हैं कि नर्मदा के पहले और दूसरे चरण की लाइन बहुत ज्यादा पुरानी हो चुकी है। यही वजह है कि बार-बार लीकेज की समस्या सामने आ जाती है।

21 अप्रैल को भी ग्राम मेढ़ के पास नर्मदा की 1200 एमएम व्यास की लाइन में लीकेज हो गया। इस लीकेज को सुधारने के लिए नर्मदा के पहले और दूसरे चरण के पंप रविवार सुबह 10 बजे से बंद करना पड़े। दोपहर करीब डेढ़ बजे सुधार का काम पूरा हुआ। इसके बाद इंटेकवेल से पंप चालू किए गए। पंप गृह 5 से पंप तो देर शाम चालू हो सके। इसके

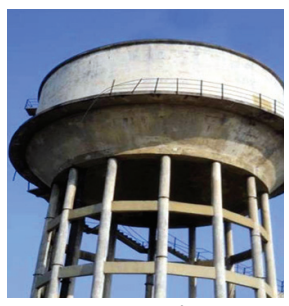

चलते नर्मदा के पहले और दूसरे चरण से भराने वाली शहर की 14 टंकियां भर नहीं सकीं। सोमवार को उन क्षेत्रों में जलापूर्ति बाधित रहेगी, जहां इन टंकियों से जलापूर्ति होती है।

इन टंकियों से बाधित रहेगा जल वितरण

अन्नपूर्णा, द्रविड़ नगर, सदर बाजार, छत्रीबाग, सुभाष चौक, अगरबत्ती, नरवल, लोकमान्य नगर, राज मोहल्ला, गांधी हाल, भक्त प्रहलाद नगर, स्कीम 103, कुशवाह मोहल्ला, महाराणा प्रताप नगर।

भोलाराम उस्ताद मार्ग पर ट्रांसफार्मर में लगी आग, फायर ब्रिगेड ने बुझाई

इंदौर। भोलाराम उस्ताद मार्ग पर बिजली के ट्रांसफार्मर में आग लग गई। सूचना पर तुरंत फायर ब्रिगेड पहुंची। खंभे के नीचे कचरा पड़ा होने से हड़कंप मच गया। फायर ब्रिगेड के मुताबिक आग संभवतः शार्ट सर्किट के कारण लगी थी। खंभे पर केबल और वायफाई के तारों का जाल बिछा हुआ था। नीचे काफी कचरा पड़ा हुआ था। इस कारण आग बुझाने में काफी मशक्कत करना पड़ी। करीब एक हजार लीटर पानी डाला गया है। उल्लेखनीय है कि एक माह में इंदौर में कई स्थानों पर आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं।

दुबई टूर के नाम पर 62 लाख का गबन कर होटल में छुपा था ट्रैवल संचालक, गिरफ्तार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

दुबई टूर के नाम पर 166 यात्रियों से 62 लाख रुपये ठगने वाला टूर एंड ट्रैवल संचालक महेंद्रसिंह मंड को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपित विजय नगर स्थित ओयो होटल में छुपा हुआ था। उसकी गिरफ्तारी पर इनाम घोषित हो चुका था और पुलिस चार माह से इंदौर, उज्जैन, महेश्वर, बड़वानी सहित अलग-अलग शहरों में छापे मार रही थी।

एडिशनल डीसीपी जोन-4 आनंद कुमार यादव के मुताबिक, ट्रैवल एजेंट राजीव जैन (तिलक नगर) की शिकायत पर जनवरी में

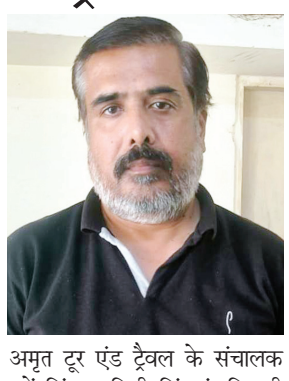

अमृत टूर एंड ट्रैवल के संचालक महेंद्रसिंह पुत्र दिलीपसिंह मंड निवासी अन्नपूर्णा के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया था। राजीव जैन ने 166 यात्रियों के लिए दुबई का टूर बुक करवाया था। प्रति व्यक्ति 80 हजार रुपये की बुकिंग हुई थी। इसमें आना-जाना, ठहरना, घुमना और खाना शामिल था। आरोपित ने 38 हजार रुपये प्रति व्यक्ति एडवांस रुपये ले लिए थे। दोनों में करार होने पर इंदौर, उदयपुर और अहमदाबाद के यात्रियों की ट्रिप बुक कर दी। जैसे ही टूर की तारीख नजदीक आई मंड ने दुबई एम्बेसी बंद होने का बहाना बनाया और कहा कि विजा नहीं मिल रहा है। एक महीने बाद का टूर तय हुआ लेकिन पूरे टिकट नहीं दिए। न ही दुबई में होटल मिला। आरोप है कि महेंद्र के बेटे ने जैन को धमकाया और कहा कि उसके पिता परेशान है। वह उल्टे उन्हें केस में फंसा देगा।

ख्यात आयुवेर्दाचार्य, पद्मश्री वैद्य बालेंदु प्रकाश सोमवार को प्रेस क्लब में

इंदौर। ख्यात आयुवेर्दाचार्य, पद्मश्री वैद्य बालेंदु प्रकाश सोमवार, 22 अप्रैल 2024 को दोपहर 12.00 बजे इंदौर प्रेस क्लब में 'चाय पर चर्चा' कार्यक्रम में मीडिया के साथियों से संवाद करेंगे। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं वेब मीडिया के साथी सादर आमंत्रित हैं।श्री बालेंदु प्रकाश को घातक रोग क्रानिक पेंक्रियटाइटिस की सफल चिकित्सा के लिए आयुर्वेद में वर्णित गंधक जारण के सिद्धांत को नए रूप में पेश करने के लिए भारत सरकार से पेटेंट भी मिला है।

रोजा और उपवास, आरती और अजान, इनमें छुपे हैं स्वास्थ्य के गुण: योगाचार्य शिव प्रकाश बघेल

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

आवाज ग्रुप ने हर साल की तरह इस बार भी सामाजिक सरोकारों और इंसानी रिश्तों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से ईद मिलन समारोह रखा, जिसका ध्येय वाक्य था ₹कुछ और नहीं इंसान हैं हम₹। इसमें शहर के प्रबुद्धजन ने कई विषयों पर विचार रखे और शहर की प्रमुख सामाजिक संस्थाओं को सम्मानित भी किया गया।

इस विषय पर बोलते हुए मुख्य वक्ता योगाचार्य डॉ शिव प्रकाश सिंह बघेल ने कहा कि मनुष्य के पास पांच इंद्रिया हैं, जो इंसान को सभी प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ बनाती हैं। उन्होंने कहा कि पहला सुख निरोगी काया है, हमें इस शरीर का ख्याल रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुबह मस्जिदों से अजान की आवाज आती है, मंदिरों से घंटियों की आवाज आती है इससे माहौल में पॉजिटिव एनर्जी आती है, इसीलिए सुबह उठने वाले आपने काम को बेहतर अंदाज में करते हैं। उन्होंने बताया कि इसी तरह रोजा रखने से संयम आता है और हमारा शरीर भी स्वस्थ रहता है। आखिर में उन्होंने योग की उपयोगिता भी बताई। साथ ही बताया कि टेंशन की वजह से ही इंसान नफरत और लड़ाई करता है इसलिए आपसी सौहार्द के लिए योग जरूरी है।

देश छोड़ रही युवा पीढ़ी पर ध्यान दें

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ सोनाली नरगुंदे ने मीडिया की नजर में इंसान को लेकर विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा कि आज मीडिया पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं लेकिन उसकी अपनी व्यावसायिक मजबूरी होती है, हमारी भी जिम्मेदारी बनती है कि हम पॉजिटिव रहें। उन्होंने कहा कि जो जहां जन्मता है, वहीं पर मरना चाहता है। हमने एक सीमा रेखा बांध ली है। हमें मीडिया के पॉजिटिव कामों पर भी ध्यान देना चाहिए। कहा कि अगली पीढ़ी सिर्फ पैकेज का सोचती है। समाज, परिवार देश के बारे में नहीं सोचती। युवा आज पैकेज के लिए परिवार समाज देश को छोड़कर चले जा रहे हैं हमें इस तरफ ध्यान देने की जरूरत है। अध्यक्षीय संबोधन में वरिष्ठ कैंसर सर्जन डॉ दिग्पाल धारकर ने कहा कि जब हम सभी मजहबों के लोगों एक साथ मिलजुल कर रहते हैं तो इसका अर्थ यही है कि हम इंसान हैं। उन्होंने अपना अनुभव बताया कि अपने अंदर की आवाज बुलंद हो तो हम बड़ी से बड़ी मुश्किल का सामना कर सकते हैं।

चुनाव के बीच बढ़ी मंत्री विजयवर्गीय की मुसीबत, FIR के आदेश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की मुसीबतें बढ़ गई हैं। कथित फर्जी वीडियो जारी कर भड़काऊ बयान देने के मामले में शिकायत के बाद विजयवर्गीय पर पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया था। अब इस मामले में हाईकोर्ट ने कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

खरगोन जिले में 10 अप्रैल 2022 में रामनवमी पर हिंसा के समय कैलाश ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी किया था। उसे खरगोन का बताकर अल्पसंख्यकों पर टिप्पणी की। कांग्रेस नेता डॉ. अमीनुलखान सूरी ने 16 अप्रैल 2022 को तिलकनगर थाने में शिकायत की। आरोप था, कैलाश ने तेलंगाना के वीडियो को खरगोन का बताया। कैलाश ने इसका जो कैप्शन दिया, वह अल्पसंख्यकों को भड़काने व शांतिभंग करने वाला है। पुलिस ने शिकायत के सालभर बाद भी केस दर्ज नहीं किया तो सूरी हाईकोर्ट पहुंचे। कोर्ट ने तिलकनगर टीआई को 90 दिन में उचित कार्रवाई के आदेश दिए। सूरी की ओर से अभिभाषक जयेश गुरनानी ने पक्ष रखा।

दिग्विजय पर दर्ज हुए थे 9 केस

खरगोन की इसी हिंसा को लेकर कांग्रेस नेता और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के खिलाफ भी पुलिस ने भोपाल, ग्वालियर, नर्मदापुरम, जबलपुर, सतना, इंदौर, बैतूल आदि जिलों में 9 केस दर्ज किए। तब दिग्विजय ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर डाला था, जिसका कैप्शन था कि क्या खरगोन प्रशासन ने हथियारों के साथ जुलूस निकालने की इजाजत दी थी? सिंह के खिलाफ इस वीडियो की शिकायतों में इसे बिहार का बताया गया था।

सम्पादकीय

इंदिरा इज इंडिया की तरह, मोदी इज इंडिया, मोदी के बाद कौन?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जनसंघ से लेकर भाजपा तक का संगठन, हमेशा व्यतिवाद से दूर रहा है। 1999 में जब अटल बिहारी वाजपेई के कटाउट चुनाव प्रचार के दौरान लगाए गए थे, उस समय संघ ने नाराजगी व्यक्त की थी। संघ परिवार ने कभी भी व्यक्ति को महत्व नहीं दिया। जनसंघ और भाजपा में भी कभी किसी व्यक्ति को महत्व नहीं मिला। 2014 के बाद से स्थिति बड़ी तेजी के साथ बदल गई है। 2019 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम वोट मांगे गए। प्रचार अभियान में केवल प्रधानमंत्री मोदी ही रहते हैं। उनके साथ भाजपा का कोई नेता भी नहीं रहता है। 2024 का लोकसभा चुनाव अब मोदी की गारंटी पर लड़ा जा रहा है। चुनाव प्रचार अभियान में केवल और केवल मोदी हैं। अटल बिहारी वाजपेई, लालकृष्ण आडवाणी, राजनाथ सिंह एवं वरिष्ठ भाजपा नेता इस चुनाव प्रचार अभियान से गायब हैं। भारत के सभी 543 लोकसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम और उनकी गारंटी पर जनता से वोट मांगे जा रहे हैं। भाजपा का घोषणा पत्र, भाजपा और संघ की विचारधारा को नेपथ्य में डाल दिया गया है। इस कारण भारतीय जनता पार्टी और संघ के नेताओं में यह बात उभर कर सामने आ रही है कि संघ और भाजपा ने क्या अपनी नीतियां बदल दी हैं? भाजपा के लोग ही अब कहने लगे हैं, कि 1970 के दशक में जो स्थिति कांग्रेस पार्टी की बनी थी, वही स्थिति अब भाजपा की बन गई है। तत्कालीन कांग्रेस के अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने इंडिया इज इंदिरा और इंदिरा इज इंडिया के नारे को बुलंद किया था। ठीक वही स्थिति अब भारतीय जनता पार्टी की 2019 के बाद से बन गई है। 2014 का चुनाव भारतीय जनता पार्टी ने अच्छे दिन के नाम पर लड़ा था। उस समय सामूहिक नेतृत्व के अंतर्गत सभी भाजपा नेताओं के फोटो चुनाव प्रचार में लगाए गए थे। 2019 का लोकसभा चुनाव पुलवामा, बालाकोट और राष्ट्रवाद की अपील पर लड़ा गया था। उस समय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार का मुख्य हिस्सा बन गए थे। 2024 का लोकसभा चुनाव अब यह मोदी की गारंटी के नाम पर लड़ा जा रहा है। सभी 543 लोकसभा की सीट का चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर लड़ा जा रहा है। पार्टी के प्रत्याशी और प्रादेशिक नेताओं का भी कोई महत्व नहीं रहा। भारतीय जनता पार्टी के चुनाव प्रचार में इस बार नौकरी, महंगाई, आर्थिक विषमता, हिंदुत्व, राष्ट्रवाद इत्यादि का मुद्दा गोंड़ हो गया है। पूरी पार्टी एक ही व्यक्ति पर केंद्रित हो गई है। भारतीय जनता पार्टी एक व्यक्ति के नाम से चलेगी, इसे कभी सोचा भी नहीं गया था। भाजपा के कोर वोटर इससे हैरान और परेशान हैं। भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तय किए हैं। इसमें संघ और संगठन की भूमिका नगण्य रही है। अन्य दलों से आए हुए नेताओं को भाजपा का उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा और संघ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएसपी है। चुनाव प्रचार अभियान में मोदी गारंटी के नाम पर प्रचार किया जा रहा है। भाजपा ने साम-दाम-दंड-भेद, पार्टी की जीत के लिए, विचारधारा को आले में रखकर भूल गए हैं। भाजपा में अब मोदी आधारित राजनीति की जा रही है। जिसके कारण भाजपा के अंदर ही अंदर निष्ठावान कार्यकर्ता, पार्टी के बदलते हुए स्वरूप को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। इसका असर प्रथम चरण के चुनाव में दिखा है। कर्नाटक में मोदी के नाम पर चुनाव लड़ा गया था। जहां भाजपा की करारी पराजय हुई। हिमाचल प्रदेश में भी पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा। जब पार्टी चुनाव हारती है, तो ठीकरा संगठन के ऊपर फोड़ा जाता है। पार्टी यदि चुनाव जीत जाती है, तो उसका श्रेय नरेंद्र मोदी को दे दिया जाता है। लोकसभा के चुनाव मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर जनादेश मांगा जा रहा है। चुनाव प्रचार के इस अभियान में पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता गायब हैं। कल जब मोदी के विकल्प की जरुरत पार्टी को होगी, तो पार्टी के अंदर कौन है, जिसके नाम पर या जिसको आगे करके भाजपा संगठन चुनाव लड़ सके। पार्टी के अंदर खाने में इसकी चर्चा होने लगी है। व्यक्ति केंद्रित राजनीति के नए दौर से भाजपा गुजर रही है। हमेशा से भाजपा और संघ इसका विरोध करता रहा है। भविष्य की आशंकाओं को लेकर भाजपा संगठन और संघ में तीव्र अंतर विरोध देखने को मिल रहा है। इसकी परणति किस रूप में होगी, अभी कहना मुश्किल है। संघ और संगठन में जिस तरह से व्यक्तिवाद हावी हो गया है, उसके कारण संघ परिवार की चिंता भी बढ़ गई है। जो गलती कांग्रेस ने कई दशकों के बाद की थी। जिसके कारण 1990 के बाद से कांग्रेस का संगठन ही छिन्न-भिन्न हो गया। उसी रास्ते पर अब भारतीय जनता पार्टी भी चल पड़ी है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का नियंत्रण भी भाजपा संगठन में वैसा नहीं रहा, जो 2014 के पहले हुआ करता था।

सनत जैन
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

आखिर क्यों धधक रही है पृथ्वी?

योगेश कुमार गोयल | लेखक

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। प्रकृति पिछले कुछ वर्षों से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत दे रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि बड़ी बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है। हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे। सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी। धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

झूठ के हलफनामे और हलफनामों का झूठ ....

भारत के नेता कितना झूठ बोल सकते हैं ,इसकी कल्पना दुनिया का कोई मनोवैज्ञानिक,चिकित्स्क या वैज्ञानिक नहीं कर सकता । भारत के नेताओं की पोल उस वक्त खुलती है जब देश में चुनाव होते है। देश में इस समय लोकसभा के चुनाव चल रहे है। इन चुनावों में जो प्रत्याशी हैं उनके सम्पत्ति के बाबद दिए जा रहे हलफनामें देखकर हंसी आती है। लेकिन केंचुआ के पास ऐसी कोई दूरबीन नहीं है जो इन हलफनामों की जांच कर सके। इस मामले में सभी दलों के नेता एक से बढ़कर एक हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा का नेतृत्व करने वाले देश के गृहमंत्री श्री अमित शाह के हलफनामे से ही बात शुरू करते हैं। गांधीनगर से भाजपा उम्मीदवार और गृह मंत्री अमित शाह के पास 20 करोड़ की चल और 16 करोड़ की अचल संपत्ति है लेकिन शाह के पास खुद की कार नहीं है। आयोग में दाखिल चुनावी हलफनामे के अनुसार, उनके पास 72 लाख के गहने हैं। इनमें उनके खरीदे हुए सिर्फ 8.76 लाख के हैं। पत्नी के पास सोने के 1620 ग्राम और हीरे के 63 कैरेट के गहने हैं।गृह मंत्री के पास 24,164 रुपये नकद, 42 लाख का लोन भी। शाह साहब करोड़पति होकर भी कार क्यों नहीं खरीद पाए ये एक रहस्य है। इसका उद्घाटन वे खुद कर सकते हैं या राम जी।

कहते हैं कि राजनीति में आने से पहले वे मनसा में प्लास्टिक के पाइप का पारिवारिक व्यवसाय संभालते थे। वे बहुत कम उम्र में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए थे। 1982 में उनके अपने कॉलेज के दिनों में शाह की भेंट नरेंद्र मोदी से हुई। 1983 में वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े और इस तरह उनका छात्र जीवन में राजनीतिक रुझान बना।शाह साहब 1997 सेचुनाव लड़ रहे है। पहले वे विधायक हुआ करते थे,अब देश के गृहमंत्री है। उनका खानदानी पेशा दलाली [ब्रोकरेज] का है। शाह जी ने अब तक 5 विधानसभा चुनाव लाडे और जीत। लोकसभा का पहला चुनाव उन्होंने 2019 में लड़ा और जीते,जीते ही नहीं सीधे गृहमंत्री भी बनाये गए ,लेकिन बेचारे 27 साल में एक कार नहीं खरीद पाए। अब आपको मै पूरे 543 नेताओं के हलफनामे तो दिखा नहीं सकता किन्तु जो दिलचस्प हैं उनकी बात अवश्य करता हूँ । अल्पसंख्यकों के नेता औबेसी का चुनावी हलफनामा औबेसी की सम्पत्ति का खुलासा करता है। चुनाव आयोग में भरे अपने हलफनामे में असदुद्दीन ओवैसी ने अपनी संपत्ति को लेकर खुलासा किया है. इसके मुताबिक उनके पास 2.80 करोड़ रुपए की चल संपत्ति हैं. इसमें कैश, सोना, बीमा जैसे चीजें शामिल हैं। ओवैसी की पत्नी के नाम पर 15.71लाख रुपए की चल संपत्ति दर्शाई गई है , जबकि उनके पास 16.01 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति भी है। 1994 से चुनावी राजनीति में सक्रिय औबेसी ओवैसी पर 7 करोड़ रुपए का लोन भी है। उन्होंने एक घर लोन पर लिया है जिसकी कीमत 3.85 करोड़ रुपए है। सबसे दिलचस्प हलफनामा मध्यप्रदेश के 18 साल मुख्यमंत्री रहे मामा शिवराज सिंह चौहान का है।विदिशा लोकसभा के बीजेपी प्रत्याशी नामांकन दाखिल करने वाले शिवराज सिंह चौहान ने चुनाव आयोग को दिए हलफनामे में बताया है कि उनके पास 1,24,85,475 रुपये की चल और 2,17,60,000 रुपये की अचल संपत्ति है. शिवराज की पत्नी साधना सिंह की संपत्ति भी 5 महीनों में 15 लाख रुपए बढ़ी है. अगर नकदी की बात करें तो शिवराज सिंह चौहान के पास कुल 2 लाख 5 हजार रुपये नकद हैं, वहीं उनकी पत्नी साधना सिंह के पास करीब 1 लाख 65 हजार रुपये नकद हैं. शिवराज सिंह चौहान के पास कोई कर्ज भार नहीं है, वहीं उनकी पत्नी साधना सिंह के ऊपर करीब 64 लाख रुपये का कर्ज है। मजे की बात ये की हमारे मामा के पास भी कोई कार नहीं है।

राकेश अचल
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

मामा कार लेकर करते भी क्या।? उन्होंने तो पूरे १८ साल सरकारी हवाई जहाज और हैलीकाप्टर को स्कूटर की तरह जोता था। हमारे देश में गरीबी अभिशाप और अमीरी वरदान है । लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशियों के हलफनामे देखकर आप चौंक सकते है। लेकिन मै आपको अभी तक आये हलफनामों के आधार पर बता सकता हूँ कि सबसे अमीर और सबसे गरीब प्रत्याशी कौन रहा । केंचुआ के आंकड़ों के मुताबिक सबसे अमीर उम्मीदवार मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से मौजूदा सांसद और कांग्रेस नेता नकुल नाथ हैं। वे मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बेटे हैं और उनके पास 716 करोड़ रुपये की सम्पत्ति है। 2019 के लोकसभा चुनाव में नकुलनाथ मध्य प्रदेश से जीतने वाले इकलौते उम्मीदवार थे। दूसरी ओर, तमिलनाडु के थूथुकुडी से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे पोनराज के सबसे गरीब उम्मीदवार हैं, क्योंकि चुनावी हलफनामे के अनुसार, उनके पास सिर्फ 320 रुपये की संपत्ति है। भारतीय लोकतंत्र की यही विशेषता है कि यहां गरीब से गरीब और अमीर से अमीर व्यक्ति चुनाव लड़ सकता है। लोग बेकार ही चुनाव लड़ने के लिए इलेक्टोरल बांड के फेर में पड़ते हैं। हमारे शहर ग्वालियर से चाय बेचने वाले एक सज्जन सिर्फ इसलिए लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं कि कहीं उन्हें भी मोदी जी की तरह कोई मौका मिल जाये। जाहिर है कि जितने भी प्रत्याशी हैं वे चुनाव आयोग की ही नहीं बल्कि देश की जनता की आँखों में धुल झौंकते हुए अपनी समपत्ति की जानकारी सार्वजनिक करते हैं। लेकिन इन हलफनामों की न किसी ने शिकायत की और न कभी किसी ईडी या किसी अदालत ने स्वयं संज्ञान लेकर इनकी जांच करने की जरूरत समझी। इस मामले में अज्ञानी रहने में ही समझदारी है। हमारे यहां झूठी हलफ उठाने की पुरानी रिवायत है । लोग चुनाव लड़ते हैं तो संविधान की हलफ उठाते हैं और जब पंचायतों में जाते हैं तो गंगाजल को हाथ में लेकर हलफ उठाते हैं ,लेकिन सच कभी नहीं बोलते । नेताओं का सच तो लाइ डिटेक्टर मशीन भी नहीं उगलवा पाती । हलफनामें केवल देने के लिए होते हैं और गंगाजल हलफ उठाने के लिए। अदालतों में पवित्र गीता के नाम पर हलफ उठाई जाती है। इसके पीछे भी यदि सरकार खोज कराये तो पाएगी कि किसी सनातनी का दिमाग होगा ,अन्यथा अदालतों में हलफ उठाने के लिए गीता के साथ ही रामायण,कुरान ,बाइबल और गुरु ग्रन्थ साहिब को भी सूची में शामिल न किया जाता। लेकिन कहते हैं न कसमें,वादे, प्यार ,वफा सब बातें हैं ,बातों का क्या ? सरकार खोज करके पहले ये बता ही चुकी है कि देश का संविधान बनाने में बाबा साहेब आम्बेडकर से ज्यादा सनातनियों का हाथ था। बहरहाल मेरा सुझाव है कि केंचुआ को प्रत्याशियों के हलफनामे आँखें बंदकर स्वीकार नहीं कर लेना चाहिये । बाकायदा इनका सत्यापन होना चाहिए। जनता से इन पर आपत्तियां आमंत्रित की जाना चाहिए ,क्योंकि हमारे नेता जितने जमीन के ऊपर दिखाई देते हैं उससे कहीं ज्यादा वे जमीन के नीचे होते हैं। नेता किसी भी दल का हो उसके पास खाने और दिखने के दांतों का सेट अलग-अलग ही होता है। अब आपकी जिम्मेदारी है कि आप अपने क्षेत्र के प्रत्याशियों के हलफनामों पर यकीन करें या न करे। उन्हें चुनौती दें या न दें ?देश में इस मामले में जो घल्लू-घारा दशकों से चल रहा है वो आगे भी चलेगा ,क्योंकि हमारी केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण ने कह दिया है कि यदि मोदी जी तीसरी बार सत्ता में आये तो इलेक्टोरल बांड फिर से लाये जायेंगे। अबकी उन्हें संवैधानिक कपड़ा पहनाया जाएगा

सबसे अच्छा सखा है ज्ञान

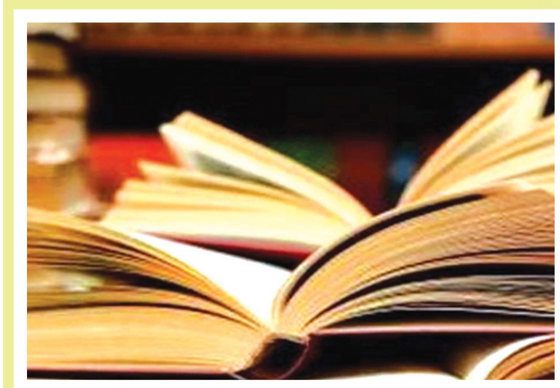

आत्मा ही आनन्द का स्वरूप है। किसी भी सुखद अनुभूति में तुम आंखे मूंद लेते हो। जैसे जब किसी फूल को सूंघते हो, कोई स्वादिष्ट खाना चखते हो या किसी वस्तु को स्पर्श करते हो। दुख का केवल यही अर्थ है कि तुम अपरिवर्तनशील आत्मा पर केन्द्रित होने के बदले विषयवस्तु में फंसे हो, जो परिवर्तनशील है। सभी इन्द्रियां केवल डाइविंग बोर्ड की भांति हैं जो तुम्हें वापस आत्मा तक पहुंचाती हैं। स-खा का अर्थ है वह ही इन्द्रिय है। सखा वह है जो तुम्हारी इन्द्रिय बन गया है, जो तुम्हारी इन्द्रिय ही है। यदि तुम मेरी इन्द्रिय हो, इसका मतलब तुम्हारे द्वारा मुझे ज्ञान मिलता है, तुम मेरी छठी इन्द्रिय हो। जैसे मैं अपने मन पर विश्वास करता हूं, वैसे ही मैं तुम पर विश्वास करता हूं। एक मित्र केवल इन्द्रिय-विषय हो सकता है, परन्तु सखा स्वयं इन्द्रिय बन जाता है।

सखा वह साथ है जो सुख और दुःख, दोनों अनुभवों में साथ रहता है। सखा वह है जो तुम्हें आत्म स्थित करता है, यदि तुम किसी विषय वस्तु में फंसे हो। जो ज्ञान तुम्हें वापस आत्मा की ओर लाता है, वही सखा है। ज्ञान तुम्हारा साथी है और गुरु केवल ज्ञान के प्रतिरूप हैं। सखा का अर्थ है, वह मेरी इन्द्रियां हैं। मैं संसार को उसी ज्ञान के द्वारा, उनके माध्यम से देखता हूं। यदि तुम्हारी सोच देवी है, तो तुम समस्त संसार को दिव्य दृष्टि से देखोगे। कुछ वर्षों में तुम्हारा मस्तक मिट्टी में होगा, जीते जी तो अपना सर कीचड़ से मत भरो। मेरा पीछा न करो। वास्तव में तुम मेरा पीछा कर भी नहीं सकते, क्योंकि मैं तो तुम्हारे पीछे हूं, तुमको आगे ठेलने के लिए। तुम्हें सब-कुछ पीछे छोड़ देना है और आगे बढ़ना है। सब कुछ तुम्हारे सभी अनुभव, तुम्हारे नाते-रिश्ते-भूत काल के हिस्से हैं। सब-कुछ छोड़ दो। अपनी स्मृतियों के सम्पूर्ण संसार को पीछे छोड़ दो। मुझको भी। आगे बढ़ो और मुक्त हो जाओ। कुछ और खोजना बन्द करो- तब तुम मुक्त होगे और तुममें अनुकम्पा उभरेगी।

व्यापार

वीवो ने भारत में लॉन्च किया वीवो टीउएक्स 5जी नया स्मार्टफोन

नई दिल्ली ■

वीवो ने भारत में अपने नए स्मार्टफोन वीवो टी3x 5जी को लॉन्च किया है। टी-सीरीज के फोन में 120हार्ज रिफ्रेश रेट के साथ फुलएचडी+ डिस्प्ले, 6,000 मेगाहार्स की बड़ी बैटरी और 44वॉट फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट दिया गया है। वीवो के इस नए फोन की बिक्री अगले हफ्ते से हो जाएगी। वीवो टी3एक्स 5जी के 4जीबी + 128जीबी वेरिएंट की कीमत 13,499 रुपये, 6जीबी + 128जीबी वेरिएंट की कीमत 14,999 रुपये और 8जीबी + 128जीबी वेरिएंट की कीमत 16,499 रुपये तय की गई है। इस फोन को दो कलर ऑप्शन में उतारा गया है। इसकी बिक्री 24 अप्रैल से शुरू हो जाएगी। ग्राहक इसे वीवो

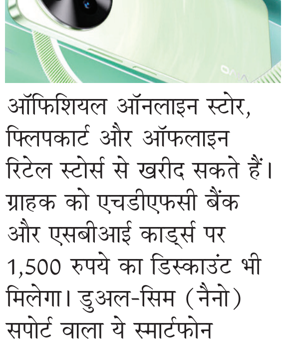

ऑफिशियल ऑनलाइन स्टोर, फ्लिपकार्ट और ऑफलाइन रिटेल स्टोर्स से खरीद सकते हैं। ग्राहक को एचडीएफसी बैंक और एसबीआई कार्ड्स पर 1,500 रुपये का डिस्काउंट भी मिलेगा। डुअल-सिम (नैनो) सपोर्ट वाला ये स्मार्टफोन एंड्रॉयड 14 बेस्ड फ्रंटटच ओएस 14 पर चलता है और इसमें 1000 नीट्स पीक ब्राइटनेस और 120हार्ज रिफ्रेश रेट के साथ 6.72-इंच पुल-एचडी (1,0802,408 पिक्सल) एलसीडी डिस्प्ले दिया गया है।

कर्मचारी दफ्तर में आने के बाद काम करें, किसी बात पर बहस नहीं: पिचाई

वाशिंगटन। बीते दिनों इजराइल के साथ काम करने के विरोध में गूगल कर्मचारियों के गिरफ्तारी के बाद कंपनी ने 28 लोगों को नौकरी से निकाल दिया। जिसके बाद गूगल सीईओ सुंदर पिचाई ने इस पूरे घटनाक्रम के लेकर अपने कर्मचारियों के लिए एक ब्लॉग पोस्ट लिखा है। इस ब्लॉग पोस्ट के माध्यम से कर्मचारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा गया कि वो दफ्तर में आने के बाद काम करें, ना कि राजनीति के चक्कर में उलझें। बीते कुछ दिनों से गूगल कंपनी में चल रहे उथल-पुथल को लेकर सुंदर पिचाई ने कर्मचारियों के नाम एक संदेश लिखा है। उन्होंने अपने ब्लॉग पोस्ट में गूगल का कल्चर शुरू से खुली बातचीत को बढ़ावा देने वाला रहा है। यही एक वजह हमें बेहतरीन प्रोडक्ट बनाने और अच्छे आइडियाज पर एक्शन लेने के काबिल बनाता हैं। कंपनी की अपनी कुछ पॉलिसी है जिसका पालन सभी को करना है।

कंपनी परिणाम, वैश्विक रुझान तय करेंगे शेयर बाजार का रुख: विश्लेषक

मुम्बई ■

इजराइल और ईरान के बीच जारी तनाव और ब्याज दरों में कटौती शुरू होने की उम्मीद कमजोर पड़ने से विश्व बाजार में आई गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई जोरदार बिकवाली से बीते सप्ताह डेढ़ फीसदी से अधिक लुढ़के शेयर बाजार की चाल इस सप्ताह ईरान-इजराइल संघर्ष, कंपनियों के तिमाही परिणाम और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से शेयर बाजारों का रुख प्रभावित होगा। विश्लेषकों ने यह राय देते हुए साथ ही जोड़ा कि कच्चे तेल और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल से भी बाजार प्रभावित होगा। बाजार के विश्लेषकों का कहना है कि ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष को लेकर चल रही चिंताओं के बीच यह सप्ताह बाजार के लिए बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि अगर तनाव काफी बढ़ जाता है, तो वैश्विक शेयर बाजारों में घबराहट में बिक्री और अस्थिरता बढ़ने का जोखिम है। इसके अलावा बाजार कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर कड़ी नजर रखेगा, क्योंकि भू-राजनीतिक घटनाएं अक्सर उन्हें प्रभावित करती हैं। मध्य-पश्चिम में स्थिति नाजुक बनी रहने के कारण वैश्विक स्तर पर निवेशक सावधानी बरत रहे हैं। इसके अलावा अमेरिका में महंगाई में अपेक्षा से अधिक बढ़ोतरी होने, खुदरा बिक्री बढ़ने और तेल की ऊंची कीमतों के कारण फेड रिजर्व के दर में कटौती में संभावित देरी ने निवेश धारणा को कमजोर किया है।

इन्दौर बाजार भाव

लूज तेल (प्रति दस किलो) : इंदौर मूंगफली तेल 1500 से 1520, मुंबई मूंगफली तेल 1510, इंदौर सोयाबीन रिफाइंड 967 से 970, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 910 से 915, मुंबई सोया रिफाइंड 965 से 970, मुंबई पाम तेल 965, इंदौर पाम 1032, राजकोट तेलिया 2330, गुजरात लूज 1460, कपास्या तेल इंदौर 940 रुपए।

तिलहन : सरसों निमाड़ी (बारीक) 5700 से 5750, एवरेज 5300 से 5500, रायड़ा 4600 से 4700, सोयाबीन 4700 रुपए क्विंटल। सोयाबीन डीओसी स्पॉट 41000 रुपए टन।

प्लांटों के सोयाबीन भाव : बैतूल 4775, लक्ष्मी 4875, प्रेस्टीज 4875, सांवरिया 4925, खंडवा 4850, धानुका 4875, एमएस नीमच 4900, एमएस पचोर 4850 व एवी 4800 रुपए।

कपास्या खली (60 किलो भरती) बिना टेक्स भाव - इंदौर 1850, देवास 1850, उज्जैन 1850, खंडवा 1825, बुरहानपुर 1825, अकोला 2875 रुपए।

मुंबई पोट पर आयातित चना तंजानिया 5925, काबुली सूडान 6600, मसूर कनाड़ा 6250, तुवर लेमन नई 10700, गजरी 10200, तुवर सूडान 11400, तुवर सफेद 10400, तुवर तंजानिया 10700 व उड़द एफएक्यू 9450 रुपए।

दलहनः चना कांटा 6250, विशाल नया 6150, डंकी 5500 से 5800, मसूर 6125 से 6150, तुवर महाराष्ट्र 11300 से 11500, कर्नाटक 11400 से 11600, निमाड़ी 9800 से 11100, मूंग 9000 से 9200, बारिश का मूंग 9200 से 10000, एवरेज 7000 से 8000, उड़द बेस्ट 8800 से 9200, मीडियम 7000 से 8000, हल्का 3000 से 5000 रुपए क्विंटल।

दालें: चना दाल 8000 से 8100, मीडियम 8200 से 8300, बोल्ड 8400 से 8500, मसूर दाल मीडियम 7300 से 7400, बोल्ड 7500 से 7600, तुवर दाल सवा नंबर 14200 से 14300, फूल 15000 से 15100, बेस्ट तुवर दाल 16000 से 16100, ब्रांडेड तुवर दाल 17100, मूंग दाल मीडियम 10550 से 10650, बोल्ड 10750 से 10850, मूंग मोगर 11450 से 11550, बोल्ड 11650 से 11750, उड़द दाल मीडियम 11300 से 11400, बोल्ड 11500 से 11600, उड़द मोगर 11800 से 12000, बोल्ड 12100 से 12200 रुपए।

काबली चना (40-42) 12100, (42-44) 11800, (44-46) 11500, (58-60) 9800 रुपए।

इंदौर चावल भाव- इंदौर. दयालदास अजीत कुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 11500 से 12500, तिबार 10000 से 11000 , दुबार 8500 से 9500, मिनी दुबार 7500 से 8500, बासमती सेला 7000 से 9500, मोगरा 4500 से 7000, दुबराज 4500 से 5000, कालीमूंछ डिनरकिंग 8500, राजभोग 7500, परमल 3200 से 3400, हंसा सेला 3400 से 3600, हंसा सफेद 2800 से 3000, पोहा 4550 से 4800 रुपए।

शकर 3850 से 3920, सुपर 3950, गुड़ भेली 3700, कटोरा 3900, लड्डू 4100, ग्लास 4600 से 4900, ऑर्गेनिक 6500, सिंघाड़ा बड़ा 105 से 110, छोटा 90,

पूजन सामग्री : नारियल 120 भरती 2000 से 2050, 160 भरती 2000 से 2050, 200 भरती 2100 से 2150, 250 भरती 2150 से 2200, देशी कपूर 810 से 815, पूजा बादाम 85 से 90, बेस्ट 155 से 175, पूजा सुपारी 480, अरीठा 125 से 130 रुपए। केसर 195 से 200, बेस्ट 225 से 228 रुपए प्रति ग्राम, सिंदूर (25 किलो) 7500 रुपए।

आटा-मैदा : आटा चक्की 1460, रवा कट्टे में 1570, मैदा 1470, चना बेसन 4100 रुपए प्रति 50 किलो बोरी।

इंदौर मावा 320 रुपए किलो। उज्जैन मावा 260 रुपए किलो।

डेयरी भाव- थोक में पनीर 360, रिटेल में 380 से 400, थोक में दही 100, रिटेल में 120, थोक में मक्खन 580, रिटेल में 600, थोक में घी 600, रिटेल में 640 रुपए।

अनाज मंडी में गेहूं की 8000 बोरी आवक हुई। मिल क्वालिटी 2400 से 2475, लोकवन गेहूं 2950 से 3000, मालवराज 2450 से 2500, पूर्णा 2850 से 2900 रुपए क्विंटल। मक्का 2200 से 2250 रुपए क्विंटल बिकी। संघवी देवास 2490, संघवी निमरानी 2520 व मालनपुर 2430 रुपए क्विंटल।

न्यूज ब्रीफ

पटरियों पर सरपट दौड़ रही थी ट्रेन कि दर्द से छटपटाने लगा ड्राइवर, फिर...

भोपाल। वह दर्द के कारण छटपटाने लगा। लोको पायलट की अचानक तबियत खराब हो गई। चलती ट्रेन में ड्राइवर की तबियत एकाएक ऐसी बिगड़ी की कोई सूझ–समझ नहीं पड़ी। आखिरकार उन्होंने ट्रेन को रोकने का ही फैसला लिया। ट्रेन पटरियों पर सरपट दौड़ती जा रही थी। एक स्टेशन से दूसरा स्टेशन निकलते जा रहा था। तभी अचानक ट्रेन के ड्राइवर को असहनीय दर्द होने लगा। वह दर्द के कारण छटपटाने लगा। लोको पायलट की अचानक तबियत खराब हो गई। चलती ट्रेन में ड्राइवर की तबियत एकाएक ऐसी बिगड़ी की कोई सूझ–समझ नहीं पड़ी। आखिरकार उन्होंने ट्रेन को रोकने का ही फैसला लिया। ड्राइवर ने वरिष्ठ अधिकारियों को भी यह बात बताई। सूचना मिलते ही अधिकारियों ने तुरंत मौके पर एंबुलेंस भेजी और लोको पायलट को अस्पताल में भर्ती कराया। ट्रेन रोकने की यह घटना श्रीधाम रेलवे स्टेशन पर हुई। रेलवे के अधिकारियों के अनुसार एक मालगाड़ी के ड्राइवर की अचानक तबियत बिगड़ गई। जबलपुर से इटारसी जा रही मालगाडी को वहीं रोक दिया गया। लोको पायलट के पेट में असहनीय दर्द होने लगा था जिसके कारण ट्रेन को रोकना पड़ा। 108 एंबुलेंस से लोको पायलट को इलाज के लिए गोटेगांव स्वास्थ्य केन्द्र भिजवाया गया। ड्राइवर की अचानक तबियत बिगड़ जाने से मालगाड़ी को इमरजेंसी में श्रीधाम रेलवे स्टेशन पर रोकना पड़ा। 108 एम्बुलेंस से मालगाड़ी के पायलट को श्रीधाम रेलवे स्टेशन से गोटेगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया। इलाज के बाद जब ट्रेन पायलट को कुछ राहत मिली तो उन्हें वापस श्रीधाम स्टेशन लाकर छोड़ा गया।

एमपी के इस नेता को राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा जैसी जिम्मेदारी, कांग्रेस का बड़ा फैसला

भोपाल। एमपी में लोकसभा के लिए कांग्रेस का चुनाव प्रचार तेज हो गया है। रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे चुनाव प्रचार के लिए एमपी आए। उन्होंने सतना में कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। खरगे ने केंद्र की बीजेपी सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी पर तीखे राजनैतिक हमले किए। सतना में राहुल गांधी की जनसभा थी लेकिन अचानक स्वास्थ खराब हो जाने के कारण उनका दौरा निरस्त कर खरगे को यहां आना पड़ा। इस बीच लोकसभा चुनाव के संबंध में कांग्रेस ने बड़ा फैसला लेते हुए यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह अहम जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा जैसे एमपी में कांग्रेस का स्टार प्रचारक बनाया गया है। ग्वालियर के मितेंद्र दर्शन सिंह को हाल ही में यूथ कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। यूथ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने अपने पिता कांतिलाल भूरिया के चुनाव प्रचार में व्यस्त रहने के कारण इस्तीफे की पेशकश कर दी थी। इसके बार मितेंद्र सिंह को युवक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया था। अब कांग्रेस ने उन्हें स्टार प्रचारक बनाकर एक और बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी है। कांग्रेस आलाकमान के इस निर्णय के बाद मितेंद्र सिंह की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। उन्होंने यह दायित्व देने के लिए पार्टी को धन्यवाद दिया। मितेंद्र सिंह ने कहा कि इस बार का लोकसभा चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है और मैं अपनी भूमिका पूरी ज़िम्मेदारी से निभाऊंगा।

जमीन विवाद में दो पक्षों के बीच हंगामा महिलाओं पर ट्रैक्टर चढ़ाने का आरोप

रायसेन। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के अंतर्गत आने वाले भोजपुर में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर हंगामा हुआ। खेत में लेटी महिलाओं के ऊपर ट्रैक्टर चढ़ाने का दावा किया जा रहा है। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, सामने आए वीडियो में ट्रैक्टर चढ़ाते कोई दिखाई नहीं दे रहा है, लेकिन वीडियो में बोला जा रहा है कि महिलाओं पर यह लोग ट्रैक्टर चढ़ा रहे हैं। हालांकि, पत्रिका.कॉम इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता। मामला जिले के अंतर्गत आने वाले सुल्तानपुर थाना इलाके के किनगी गांव का बताया जा रहा है। इस वीडियो में देखा जा सकता है खेत में दो महिलाएं लेटी हुई हैं। वहीं एक ट्रैक्टर है और कुछ लोग हाथ में लाठी-डंडे लिए हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो को लेकर दावा किया जा रहा है कि खेत में लेटी महिलाओं पर ट्रैक्टर चढ़ाया गया है। ये वीडियो इंटरनेट पर जमकर वायरल हो रहा है। फिलहाल, इस मामले में शिकायत भी दर्ज की जा चुकी है। सुल्तानपुर थाना पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर दोनों पक्षं पर केस दर्ज कर लिया है। साथ ही इस पूरी घटना की जांच पड़ताल भी शुरू कर दी है। जांच के बाद पुलिस द्वारा दोषी पक्ष के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही जा रही है।

दमोह के तेंदूखेड़ा पहुंचे जीतू, बोले- 35 साल से भाजपा का सांसद फिर भी नहीं मिला रोजगार

दमोह ■

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी रविवार को दमोह लोकसभा के प्रत्याशी तरवर सिंह लोधी के पक्ष में तेंदूखेड़ा में आमसभा को संबोधित करने पहुंचे। आम सभा के पहले उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा और पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल के साथ कुंडलपुर पहुंचकर बड़े बाबा के दर्शन किए उसके बाद तेंदूखेड़ा में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रत्याशी टिकाऊ है जबकि दूसरा बिकाऊ है। अब फैसला आपको करना है। उन्होंने कहा कि पिछले 35 साल से दमोह लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के सांसद जीत दर्ज कराते आ रहे, लेकिन रोजगार के लिए क्या किया आज भी पलायन हो रहा है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने कहा कि भाजपा के लोग कहते हैं कि डबल इंजन की सरकार है, पर मै कहता हूं कि इंजन ने रेल छोड़ दी है। पिछले 35 वर्षों से भाजपा सांसद की जीत होती आ रही है, पर आज तक ऐसी कोई योजना नहीं चलाई जिससे बुंदेलखंड के लोगों का पलायन रुक सके। कांग्रेस प्रत्याशी तरवर सिंह ने कहा कि मैं गरीब किसान का बेटा हूं मुझे एक बार अवसर दें मैं बताऊंगा सांसद क्या कर सकता है और कभी धोखा भी नहीं करूंगा। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई, पर मंहगाई दोगुनी हो गई। कांग्रेस ने कर्ज माफ किया, पर भाजपा ने गेहूं खरीदी समर्थन मूल्य का वादा पूरा नहीं किया। पटवारी ने कहा कि यदि गांव में छोटा भी चुनाव होता है और प्रत्याशी जब वोट मांगने आता है तो हम उसको समस्याएं बताते हैं और यह चुनाव देश की सबसे बड़ी पंचायत का है। एक तरफ ईमानदार और टिकाऊ लोकसभा का प्रत्याशी है और दूसरी तरफ बिकाऊ प्रत्याशी है। एक तरफ लोभी है और दूसरी तरफ लोधी। अब आपको फैसला करना है कि किसको चुनना है। 2014 के लोकसभा के चुनाव के पहले प्रधानमंत्री मोदी अच्छे दिनों की बात करते थे। अच्छे दिन किसके आए, काला धन वापस क्यों नहीं आया। जिन कंपनियों को ठेका चाहिए है भाजपा के खाते मे पैसा डाल देता है उसको ठेका मिल जाता है। नरेंद्र मोदी सिर्फ झूठ बोलते हैं उनकी किसी बात में सच्चाई नहीं है। दमोह के पूर्व सांसद और केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल को विधानसभा का चुनाव लड़वाया वे जीतने के बाद सैकड़ों गाड़ियों से भोपाल पहुंचे कि पर्ची मेरी निकलने वाली है मैं मुख्यमंत्री बनूंगा पर पर्ची दूसरे की निकाल दी और प्रहलाद पटेल चुपचाप बैठे रहे।

अरुण यादव बोले पिछले सांसदों ने अपना विकास किया

अरुण यादव ने कहा कि एक कांग्रेस का प्रत्याशी है जो ईमानदार है। दूसरी तरफ भाजपा के उम्मीदवार हैं उनके बारे में मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं है। क्षेत्र के लोग सब जानते हैं। दमोह से अभी तक जो लोग सांसद रहे उन्होंने क्षेत्र का विकास नहीं खुद का विकास किया है। उन्होंने कहा एक तरफ ईमानदार प्रत्याशी है और दूसरी तरफ बिकाऊ प्रत्याशी है। अब फैसला आप लोगों को करना है।

रीवा पहुंचे सीएम मोहन यादव, बोले- हिंदू मुस्लिम को लड़ाने का काम किया कांग्रेस ने

रीवा ■

रीवा लोकसभा का चुनाव नजदीक आते ही नेताओ के दौरे आए दिन बढ़ते ही जा रहे हैं। रविवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव रीवा जिले के सेमरिया विधानसभा पहुंचे और चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। रीवा के सेमरिया पहुंचे सीएम मोहन यादव ने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अंग्रेजों ने देश के टुकड़े करने में बहुत फूट डाली। 1857 में हिंदू और मुस्लिमों ने अंग्रेजों से मिलकर लड़ाई लड़ी, लेकिन इस लड़ाई में अंग्रेजो ने फूट डालने का बीज बोया। बड़े दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है कि कांग्रेस अपनी गलतियों को याद करने के बजाय देश को ऐसे मुकाम पर लाकर छोड़ रही है, जहां लीडरशिप, सोच और समझ का अभाव है। कौन क्या कर रहा है, इसका पता ही नही चल रहा है।

नादान की दोस्ती जी का जंजाल

सीएम मोहन यादव ने कहा कि जैसे कोई बस बंद पड़ी है और बस को चालू करने के लिए कोई उसको धक्का लगा रहा हो, समझदार लोग पीछे से धक्का लगाएंगे और ड्राइवर बस स्टार्ट कर लेगा, लेकिन कांग्रेस ने ऐसी बस खड़ी की जिसमें ईधन तो था लेकिन धक्का लगाने के बारे में पता नहीं था। चार आगे से लगा रहे थे तो चार पीछे से धक्का लगा रहे थे। इसमें बस कैसे चलेगी. अरे ये तो नादान की दोस्ती जी का जंजाल है।

दूरदर्शन के रंग को देखकर पूरे देश में चिल्लाई कांग्रेस

सीएम मोहन यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कल एक समाचार आया दूरदर्शन का लोगो का रंग को देखकर कांग्रेस हाय रे हाय रे करने लगी। अब तो हमारी टोपी भी भगवा रंग की है और कांग्रेस के झंडे में भी भगवा रंग है और देश के तिरंगे में भी भगवा रंग है। दूरदर्शन के लोगो का रंग देखकर कांग्रेस पूरे देश में चिल्लाने लगी क्या कर रहे हो, भगवाकरण कर रहे हो। जरा निगाह खोलकर तो देखो ये हमारी सूर्य संस्कृति है, हमारे राजा राम से लेकर उसके पूर्ववती काल से लेकर इस देश के किसी मंदिर में ध्वज चढ़ेगा तो भगवा रंग का ही चढ़ेगा। अगर आपको नहीं दिखाई देता है तो आप डूब मरो। कांग्रेस को घेरते हुए सीएम मोहन यादव ने कहा कि वोट मांगने हम सब के पास आते हो, लेकिन इस तरह से भगवा का अपमान क्यों करते हो। यह तो केवल उनके द्वारा देशभक्त मुसलमानों को भी हिंदू मुसलमान करके लड़वाने का काम करते हैं। एक बार हो तो समझ में आए यह लगातार प्रयास करते हैं। आप लोग रिकॉर्ड देख लो, 90 का दशक याद कर लो, और उसके बाद का दशक याद कर लो। राम मंदिर को लेकर पूरे देश में जब-जब दंगे हुए तो कांग्रेस की सरकार ने दंगे कराए। यह बड़े दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है।

पेट्रोल टैंक में ब्लास्ट होने से युवक जिंदा जला

जबलपुर। दोस्तों के साथ रेसिंग व स्टंट करने गए नवयुवक की बाइक पेड़ से टकरा गई। इसके कारण बाइक के पेट्रोल टैंक में ब्लास्ट हो गया और जलने से नवयुवक की मौत हो गई। बरगी थाना प्रभारी कमलेश सिंह के अनुसार आमनपुर मदन महल निवासी यश तनवेश (18) अपने दोस्त आयुष तथा बुआ के लड़के नवजोत विनोदिया के साथ बाइक रेसिंग तथा स्टंट करने के लिए बरगी नगर वीआईपी सर्किट आया था। तीनों नवयुवक अपनी-अपनी बाइक से लौट रहे थे। यश के दोनों दोस्त आगे निकल गए थे। यश भी तेज रफ्तार से उनके पीछे आ रहा था। तभी यश की बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पेड़ जा टकराई।

भोजशाला में सर्वे के 31 दिन, कार्बन डेटिंग कर पत्थरों पर बनी आकृतियों-शिलालेखों को जांचा

धार ■

हाईकोर्ट इंदौर के आदेश के बाद मप्र की धार भोजशाला में चल रहे आर्कियोलॉजीकल सर्वे ऑफ इंडिया के सर्वे के आज 31वें दिन का काम भी पूरा हुआ। 22 मार्च से शुरू हुवे इस सर्वे में रविवार को अरककी टीम सुबह 8 बजे भोजशाला पहुंची थी। इस दौरान टीम के 31 सदस्यों के साथ 27 मजदूर भी भोजशाला पंहुचे थे। उनके साथ हिंदू पक्ष के गोपाल शर्मा, आशीष गोयल और मुस्लिम पक्ष के अब्दुल समद खान भी पहुंचे। शाम लगभग पांच बजे के आसपास अरककी टीम भोजशाला से वापस लौटी।

भोजशाला के 31वें दिन का वैज्ञानिक सर्वे का काम पूर्ण होने के बाद हिन्दू पक्षकार गोपाल शर्मा ने मीडिया से चर्चा में कहा कि टीम में कई नई विधा के अधिकारी जुड़े थे, जिन्होंने भोजशाला के अंदर कार्बन डेटिंग का कार्य पूरा किया। भोजशाला के अंदर जितने भी पत्थरों-शिलालेख को और कमाल मौलाना की मस्जिद लगे खंभों, दीवारों और पत्थरों पर बनी आकृति और मज्जिद के बनी आकृति की कार्बन डेटिंग कर उसको पेपर रोल पर उतारा गया। भोजशाला के बाहर उत्खनन अंदर ब्रशिंग क्लीनिंग वह भी काम हुआ। वहीं गोपाल शर्मा ने कहा कि आगे और भी लोग अलग-अलग विधाओं के नवीन उपकरणों के साथ जुड़ने वाले हैं। वहीं अब्दुल समद ने कहा कि आज बहुत महत्वपूर्ण दिन था जो छोटी-छोटी चीजें लिखी हुई थीं। पत्थरों-दीवारों पर आकृतियां बनी हुई थीं। मस्जिद के अंदर जो आयतें लिखी हुई थीं जिसको टीम ने पहले कवर कर रखा था उसको अलग प्रकार से आज टीम में पेपर स्टाम्प पर उकेरा।

फिर बिगड़ा मौसम, कई जगहों पर तेज बरसात, दो दिनों तक तांडव मचाएगा पश्चिमी विक्षोभ

भोपाल। राजधानी भोपाल, नर्मदापुरम, खरगोन आदि जिलों में कई जगहों पर तेज बारिश हुई। हालांकि पानी गिरने से गर्मी से आंशिक राहत तो मिली है पर अब कुछ दिनों तक मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहने का अनुमान है। इससे लोगों की दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

मध्यप्रदेश में एक बार फिर मौसम बिगड़ गया है। भीषण गर्मी के दौर के बीच एकाएक कई जगहों पर बरसात होने लगी। राजधानी भोपाल, नर्मदापुरम, खरगोन आदि जिलों में कई जगहों पर तेज बारिश हुई। हालांकि पानी गिरने से गर्मी से आंशिक राहत तो मिली है पर अब कुछ दिनों तक मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहने का अनुमान है। इससे लोगों की दिक्कतें बढ़ सकती हैं। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में बारिश-आंधी का अलर्ट जारी किया है।

युवती की आंखों और मुंह में फेवीक्विक डालने वाले अयान के घर पर चली JCB, संपत्ति हथियाने का मामला

गुना ■

गुना शहर के नानाखेड़ी क्षेत्र निवासी 23 वर्षीय युवती के साथ क्रूरतापूर्ण तरीके से मारपीट करने वाले आरोपी अयान खान के घर पर जिला प्रशासन का बुलडोजर चला है। गुना एसडीएम रवि मालवीय, एडिशनल एसपी मानसिंह ठाकुर सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में आरोपी द्वारा नानाखेड़ी क्षेत्र में अतिक्रमण कर बनाए गए मकान को जेसीबी से गिरा दिया गया।

प्रशासन का दावा है कि एक दिन पहले आरोपी अयान के परिजनों को नोटिस जारी कर अतिक्रमण के संबंध में जवाब मांगा था, परिजनों की ओर से प्रशासन को कोई लिखित जवाब पेश नहीं किया गया। इसके बाद राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की है। बता दें कि इसी इलाके में रहने वाले 23 साल की युवती के साथ आरोपी अयान खान ने क्रूरता और वहशीपन तमाम हदें पार करते हुए बेल्ट व लात-घूसों से उसकी पिटाई की थी। मारपीट करने के बाद अयान थक गया तो उसने पीड़ित युवती की आंख और मुंह में फेवीक्विक व मिर्ची भर दी। पीड़िता के बयान दर्ज होने के बाद प्रशासन और पुलिस हरकत में आए और अयान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार घटना से पीड़ित युवती की एक आंखें खराब हो गई हैं। उसे धुंधला दिखाई दे रहा है।

हनुमान जयन्ती पर विशेषः उन्नत जीवन का आधार है हनुमान भक्ति

भगवान हनुमानजी को हिन्दू देवताओं में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे। वे भगवान शिव के ग्यारवें रूद्र अवतार थे जो श्रीराम की सेवा करने और उनका साथ देने त्रेता युग में अवतरित हुए थे। उनको बजरंग बलि, मारुतिनंदन, पवनपुत्र, केशरीनंदन आदि अनेकों नामों से पुकारा जाता है। उनका एक नाम वायुपुत्र भी है, उन्हें वातात्मज भी कहा गया है अर्थात वायु से उत्पन्न होने वाला। इन्हें सात चिरंजीवियो में से एक माना जाता है। वे सभी कलाओं में सिद्धहस्त एवं माहिर थे। वीरो में वीर, बुद्धिजीवियों में सबसे विद्वान। इन्होंने अपने पराक्रम और विद्या से अनेकों कार्य चुटकीभर समय में पूर्ण कर दिए है। वे शौर्य, साहस और नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। समर्पण एवं भक्ति उनका सर्वाधिक लोकप्रिय गुण है। रामभक्त हनुमान बल, बुद्धि और विद्या के सागर तो थे ही, अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता और ज्योतिष के भी प्रकांड विद्वान थे। वे उन्नत जीवन के आधार है। उनसे सफल एवं सार्थक जीवन के प्रबंधन की शिक्षा मिलती है। वे हर युग में अपने भक्तों को अपने स्वरूप का दर्शन कराते हैं और उनके दुःखों को हरते हैं। वे मंगलकर्त्ता एवं विघ्नहर्त्ता हैं।

ललित गर्ग
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

मंगलवार को हनुमानजी का जन्म हुआ, ऐसा माना जाता है। भिन्न-भिन्न लोगों ने इस महान आत्मा का मूल्यांकन भिन्न-भिन्न दृष्टिकोण से किया है। हनुमान का चरित्र एक लोकनायक का चरित्र है और उनके इसी चरित्र ने उन्हें सार्वभौमिक लोकप्रियता प्रदान की है। तैंतीस करोड़ देवी-देवताओं में मात्र हनुमान ही ऐसे हैं जिनकी आधुनिक युग में सर्वाधिक पूजा की जाती है और जन-जन के वे आस्था के केन्द्र हैं। उनके चरित्र ने जाति, धर्म और सम्प्रदाय की संकीर्ण सीमाओं को लांघ कर जन-जन को अनुप्राणित किया है। हनुमान का चरित्र बहुआयामी हैं क्योंकि उन्होंने संसार और संन्यास दोनों को जीया। वे एक महान योगी एवं तपस्वी हैं और इससे भी आगे वे रामभक्त हैं। हनुमान-भक्ति भोगवादी मनोवृत्ति के विरुद्ध एक प्रेरणा है संयम की, पवित्रता की। यह भक्ति एक बदलाव की प्रक्रिया है। यह भक्ति प्रदर्शन नहीं, आत्मा के अभ्युदय का उपक्रम है। इससे अहं नहीं, निर्दोष शिशुभाव जागता है। क्रोध नहीं, क्षमा शोभती है। कष्टों में मन का विचलन नहीं, सहने का धैर्य रहता है। उत्कृष्ट विलक्षणताओं के प्रतीक हनुमान पूर्ण मानव थे। कहते हैं कि ब्रह्मा ने जब मनुष्य का निर्माण किया तो उन्हें बहुत प्रसन्नता हुई, क्योंकि उन्हें यह अनुभूत हुआ कि उनके द्वारा सृष्ट मानव ईश्वर का साक्षात्कार करने में समर्थ है। मानव न केवल संपूर्ण प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ है, प्रत्युत वह अपनी साधना के द्वारा ब्रह्मपद को भी प्राप्त कर सकता है। त्रेतायुग के सर्वाधिक शक्तिशाली मानव हनुमान जिन्हें भ्रमवश अनेक देशी-विदेशी विद्वान पेड़ों पर उछल-कूद करनेवाला साधारण वानर मानते रहे हैं, अपने अलौकिक गुणों और आश्चर्यजनक कार्यों के बल पर कोटि-कोटि लोगों के आराध्य बन गये। भारत ही नहीं, विश्व के इतिहास में किसी ऐसे मानव का उल्लेख नहीं मिलता, जिसमें शारीरिक बल और मानसिक शक्ति का एक साथ इतना अधिक विकास हुआ हो जितना हनुमान में हुआ था। प्राचीन भारत में ब्रह्मतेज से युक्त अनेक महामानव हुए। इसी प्रकार इस पावनभूमि में ऐसे विशिष्ट व्यक्ति भी हुए जो शारीरिक बल में बहुत बलशाली थे, परन्तु ब्रह्मतेज के साथ-साथ शास्त्र-बल का जो आश्चर्यजनक योग हनुमान में प्रकट हुआ, वह अन्यत्र दिखाई नहीं पड़ता। शुद्ध आचार, विचार और व्यवहार से जुड़ी हनुमान की ऐसी अनेक चारित्रिक व्याख्याएं हैं जिनमें जीवन और दर्शन का सही दृष्टिकोण सिमटा हुआ है। हनुमान को बुद्धिमानों में अग्रगण्य माना जाता है। ऋग्वेद में उनके लिए विश्ववेदसम् शब्द का प्रयोग किया गया है। इसका अभिप्रेत अर्थ है- विद्वानों में सर्वश्रेष्ठ। हनुमान अपने युग के विद्वानों में अग्रगण्य थे। उनकी गणना सामान्य विद्वानों में नहीं, बल्कि विशिष्ट विद्वानों में की जाती थी। वाल्मीकि रामायण में हनुमान को महाबलशाली घोषित करते हुए बुद्धिमतां वरिष्ठं कहना पूर्ण युक्ति संगत है। रामचरितमानस में भी उनके लिए अतुलित बलधामं तथा ज्ञानिनामग्रगण्यम इन दोनों विशेषणों का प्रयोग द्रष्टव्य है। ब्रह्मचारी हनुमानजी महान संगीतज्ञ और गायक भी थे। इनके मधुर गायन को सुनकर पशु-पक्षी एवं सृष्टि का कण-कण मुग्ध हो जाता था। हनुमान की विद्वता के साथ-साथ तर्क-शक्ति अत्यंत उच्च कोटि की थी। ऐसे अनेक प्रसंग है जब हनुमान ने अपनी तर्क-शक्ति से अनेक जटिल स्थितियों को सहज बना दिया। उनकी अलौकिक साधना एवं नैसर्गिक दिव्यता का ही परिणाम था कि वे भय और आशंका से भरे वातावरण में भी निःशंक और निर्भीक बने रहते थे। संकट की घड़ी में भी शांतचित्त होकर अपने आसन्न कर्तव्य का निश्चय करना उत्तम प्रज्ञा का प्रमाण है। हनुमान इस सर्वोत्कृष्ट प्रज्ञा से युक्त थे। प्राचीन भारत की सर्वश्रेष्ठ भाषा संस्कृत और व्याकरण पर हनुमान का असाधारण अधिकार था। हनुमान ने सूत्र, वृत्ति, वार्तिक, महाभाष्य तथा संग्रह का भली-भांति अध्ययन किया था। अन्यान्य ग्रंथों तथा छंद-शास्त्र के ज्ञान में भी उनकी समानता करनेवाला कोई नहीं था। संपूर्ण विद्याओं के ज्ञान में उनकी तुलना देवताओं के गुरु बृहस्पति से की गयी है। महर्षि अगस्त्य के अनुसार हनुमान नवों व्याकरणों के अधिकारी विद्वान थे। नोबेल पुरस्कार विजेता आक्टाभियो पाज का भी यह सुनिश्चित मत है कि हनुमान ने व्याकरण शास्त्र की रचना की थी। मारुति नंदन, परमवीर, श्रीराम भक्त हनुमानजी की पवित्र मन से की गयी साधना और भक्ति चमत्कारपूर्ण परिणाम देने वाली है। हनुमानजी शिव के अवतार माने जाते हैं और ग्यारहवें रुद्र के रूप में इनकी मान्यता है। कहते है- मयार्दा पुरुषोत्तम राम की सार्वकालिक सेवा करने एवं रावण-वध में उनका सहयोग करने के लिए भगवान राम का अवतार लेने से पूर्व ही त्रेतायुग में शिवजी ने अपने ग्यारहवें रुद्र के रूप में अवतार लिया था। वह हनुमानजी के पवित्र लोकोपकारी नाम से विख्यात हुए। महादेव का हनुमान के रूप में अवतरण लेने के सन्दर्भ में कहा जाता है कि भगवान विष्णु महादेव के इष्ट देव हैं। वे उनके श्रीचरणों के शाश्वत पुजारी हैं। त्रेतायुग में रावणादि राक्षसों का सकुल संहार करके उनका उद्धार करने के लिए ही भगवान विष्णु अयोध्या के महाराज दशरथ के यहां अपनी सोलह कलाओं सहित पुत्र रूप में अवतरित हुए। अतः उनकी सेवा करने के लिए महादेव ने हनुमान के रूप में अवतार लिया। तंत्र शास्त्र के आदि देवता और प्रवर्तक भगवान शिव हैं। इस प्रकार से हनुमानजी स्वयं भी तंत्र शास्त्र के महान पंडित हैं। समस्त देवताओं में वे शाश्वत देव हैं। परम विद्वान एवं अजर-अमर देवता हैं। वे अपने भक्तों का सदैव ध्यान रखते हैं। उनकी तंत्र-साधना, वीर-साधना है। वे रुद्रावतार और बल-वीरता एवं अखंड ब्रह्मचर्य के प्रतीक हैं। अतः उनकी उपासना के लिए साधक को सदाचारी होना अनिवार्य है। उसे मिताहारी, जितेन्द्रिय होना चाहिए। हनुमान साधना करने के लिए हर व्यक्ति उसका पालन नहीं कर सकता, इसलिए इस चेतावनी का सदैव ध्यान रखना चाहिए कि हनुमानजी को सिद्ध करने का प्रयास भौतिक सुखों की प्राप्ति या चमत्कार प्रदर्शन के लिए कभी नहीं करना चाहिए। उनकी भक्ति के माध्यम से भगवान राम के दर्शन तथा उनकी कृपा प्राप्त की जा सकती है। यह भक्ति हृदय की पवित्रता से ही संभव है और इसी से व्यक्ति घर और मन्दिर दोनों में एक-सा होता है। कहा जाता है की श्री हनुमानजी का जन्म ही राम भक्ति और उनके कार्यो को पूर्ण करने के लिए हुआ है। उनकी सांस-सांस में, उनके कण-कण में और खून के कतरे-कतरे में राम बसे हैं। एक प्रसंग में विभीषण के ताना मारने पर हनुमानजी ने सीना चिरकर भरी सभा में राम और जानकी के दर्शन अपने सीने में करा दिए थे। हनुमान की भक्ति या उनको पाने के लिये इंसान को इंसान बनना जरूरी है। जब तक भक्ति की धारा बाहर की ओर प्रवाहित रहेगी तब तक भगवान अलग रहेंगे और भक्त अलग रहेगा। हनुमान भक्ति के लिये जरूरी है उनके जीवन से दिशाबोध ग्रहण करो और अपने में डूबकर उसे प्राप्त करो। जिन खोजा तिन पाइयां गहरे पानी पैठ- यही है सच्ची हनुमान भक्ति की भूमिका। भक्ति का असली रूप पहचानना जरूरी है, तभी मंजिल पर पहुंचेंगे, अन्यथा संसार की मरुभूमि में ही भटकते रह जायेंगे।

डी गुकेश का शानदार प्रदर्शन, सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियनशिप दावेदार बनने के करीब

नई दिल्ली ■

युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराकर एकल बढ़त हासिल कर ली है। इस तरह 17 साल के गुकेश अब तक के सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियनशिप दावेदार बनने की कोशिश में जुटे हुए हैं। अब टूर्नामेंट में एक दौर का खेल बचा है। गुकेश अगर कैंडिडेट्स में विजेता बनते हैं तो विश्व चैंपियन खिताब के लिए उनकी भिड़ंत चीन के डिंग लिरेन से होगी।

गुकेश का सामना नाकामुरा से होगा

गुकेश का सामना अब अंतिम दौर में नाकामुरा से होगा। इसके अलावा कारूआना की भिड़ंत नेपोमनियाच्ची से होगी। हालांकि चार खिलाड़ियों में से कोई भी इस प्रतियोगिता को जीत सकता है। लेकिन संभावनाएं काफी हद तक गुकेश के पक्ष में है क्योंकि ड्रॉ भी उन्हें विश्व चैंपियनशिप मैच के लिए सबसे कम उम्र के दावेदार के रूप में उभरने के लिए काफी हो सकता है। प्रगनानंद और विदित गुजराती छह अंकों के साथ संयुक्त पाचवें स्थान पर हैं, जबकि फिरोजा के 4.5 अंक हैं। इनके अलावा निजात अबासोव के 3.5 अंक हैं। कारूआना ने कड़े मुकाबले में प्रगनानंद को पराजित किया, जबकि गुजराती ने अजरबेजान के अबासोव से ड्रॉ खेला।

गुकेश को संयम से खेलने का फायदा मिला

रूस के इयान नेपोमनियाच्ची और अमेरिका के हिकारू नाकामुरा ने ड्रॉ खेला। गुकेश को हालांकि संयम से खेलने का लाभ मिला और उन्होंने मुश्किल स्थिति में अलीरेजा की अंत में की गई भूल का फायदा उठाया। गुकेश के अब 13 में से 8.5 अंक हैं जिससे वह नेपोमनियाच्ची, नाकामुरा और अमेरिका के फैबियानो कारूआना से आधा अंक आगे हैं।

वैशाली को मिली जीत

महिलाओं की स्पर्धा में कोनेरू हम्पी ने अन्ना मुजिचुक से ड्रॉ खेला, जबकि आर वैशाली ने लेई टिंग्जी को पराजित किया। 22 साल की वैशाली ने इस तरह अपनी पिछली चार बाजियों में लगातार जीत दर्ज की है। वैशाली ने शानदार जीत से लेई की उम्मीदों पर पानी फेरा, जबकि हम्पी ने यूक्रेन के मुजिचुक और बुल्गारिया की नुरूग्युल सालिमोवा ने रूस की कैटरीना लाग्रो से बाजी ड्रॉ कराकर अंक बांटे। गोरयाचकिना, लाग्रो, हम्पी और वैशाली के 6.5 अंक हैं और ये सभी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं।

बलराज पंवार की बड़ी कामयाबी, भारत को नौकायन में पहला पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया

नई दिल्ली ■

बलराज पंवार ने रविवार को दक्षिण कोरिया के चुंग्जू में 2024 विश्व एशियाई और ओसनियाई ओलंपिक एवं पैरालंपिक क्वालीफिकेशन रेगाटा में पुरुष एकल स्कल स्पर्धा में तीसरे स्थान पर रहकर भारत को नौकायन में पहला पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया। भारतीय सेना के 25 वर्षीय पंवार पिछले साल चीन के हांग्झोउ में अपने पहले एशियाई खेलों में कांस्य पदक से चूक गये थे। उन्होंने 7:01.27 मिनट का समय निकालकर 2000 मीटर रेस में तीसरा स्थान हासिल कर ओलंपिक कोटा प्राप्त किया।

पुरुष एकल स्कल में शीर्ष पांच नौकाचालक ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करते हैं। पुरुषों की लाइटवेट डबल स्कल्स में देश क्वालीफाई नहीं कर सका। भारत ने पिछले तोक्यो ओलंपिक में इस स्पर्धा में हिस्सा लिया था। उज्जवल कुमार और अरविंद सिंह की भारतीय जोड़ी तीसरे स्थान पर रही जबकि इसमें शीर्ष दो जोड़ी कोटा हासिल करती हैं। भारत इस तरह 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक में नौकायन में एक ही स्पर्धा में हिस्सा लेगा। अर्जुन लाल और अरविंद सिंह ने तोक्यो ओलंपिक में पुरुषों की लाइटवेट डबल स्कल में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और वे 11वें स्थान पर रहे थे। एशियाई क्वालीफायर भी एशियाई रोइंग कप के साथ ही कराये जा रहे हैं जिसमें भारत ने सलमान खान और नितिन देओल की बदौलत पुरुष डबल स्कल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

मनोरंजन

मेघा गुप्ता: मनोरंजन उद्योग में एक उभरता सितारा

मेघा गुप्ता मनोरंजन की दुनिया में अपनी अच्छी खासी पहचान बना चुकी हैं। विभिन्न प्रकार की भूमिकाओं के साथ, मेघा ने खुद को एक बहुमुखी कलाकार के रूप में साबित किया है, जो विभिन्न शैलियों में पात्रों को सहजता से प्रस्तुत कर सकती है। मेघा ने पहली बार ज़ी टीवी की लोकप्रिय श्रृंखला कुंडली भाग्य में एक नकारात्मक चरित्र के सम्मोहक चित्रण से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। उनके सूक्ष्म प्रदर्शन ने उन्हें व्यापक प्रशंसा अर्जित की और उन्हें उद्योग में एक आशाजनक प्रतिभा के रूप में स्थापित किया। अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन जारी रखते हुए, मेघा ने द कपिल शर्मा शो के 100वें एपिसोड में अपनी नृत्य प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने अपनी मनमोहक अदाओं से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंच पर उनकी गतिशील उपस्थिति ने दर्शकों और उद्योग के अंदरूनी सूत्रों दोनों पर समान रूप से अमिट छाप छोड़ी। अपनी टेलीविजन प्रस्तुतियों के अलावा, मेघा ने संगीत वीडियो की दुनिया में भी धूम मचाई है। राहुल अरोड़ा और राजीव रुइया जैसे प्रसिद्ध निर्देशकों के साथ सहयोग करते हुए, मेघा ने कई आश्चर्यजनक संगीत वीडियो में अभिनय किया है, जिन्हें ऑनलाइन लाखों बार देखा गया है। उनकी चुंबकीय उपस्थिति और अभिव्यंजक प्रदर्शन ने संगीत उद्योग में भी एक लोकप्रिय प्रतिभा के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत किया है।

फिल्म खलनायक 2 की स्क्रिप्टिंग पूरी हुई

निर्देशक सुभाष घई ने फिल्म खलनायक 2 की स्क्रिप्टिंग पूरी हो गयी है। इन्होंने ही करीब तीन दशक पहले संजय दत्त के साथ खलनायक बनाई थी। वे बल्लू बलराम की भूमिका निभाने के लिए कुछ लोकप्रिय युवा अभिनेताओं के साथ भी बातचीत कर रहे हैं। हालांकि इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है कि 1993 की फिल्म के सीक्वल में संजय दत्त को वापस लाया जाएगा या नहीं। घई बल्लू बलराम की भूमिका के लिए एक युवा और गतिशील अभिनेता को लेने की उम्मीद कर रहे हैं। दरअसल साउथ के पॉपुलर एक्टर भी उनकी लिस्ट में हैं। सुभाष घई बल्लू बलराम के किरदार के लिए रणवीर सिंह और रणबीर कपूर जैसे अभिनेताओं से संपर्क करना चाहते हैं। दरअसल वह सिर्फ बॉलीवुड तक सीमित नहीं हैं। अल्लू अर्जुन और यश भी उनकी लिस्ट में हैं और वह उनसे भी संपर्क करना चाहते हैं। वह बस कोई ऐसा व्यक्ति चाहते हैं जो बल्लू बलराम की विरासत को आगे ले जा सके।

खलनायक में माधुरी दीक्षित, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ और अनुपम खेर थे। पिछले साल फिल्म की 30वीं सालगिरह मनाने के लिए कई कलाकार एक साथ आए थे। यह फिल्म रिलीज होते ही विवादों से घिर गई थी। फिल्म का गाना चोली के पीछे क्या है एक बड़ा हिट था और इसे 2024 की फिल्म वरू में दोहराया गया था।

कैटरीना कैफ की तरह डांस करते हुए दिखी साई पल्लवी

साई पल्लवी को वीडियो में सफेद क्रॉप-टॉप और पिंक बॉटम पहने देखा जा सकता है। वीडियो में साई पल्लवी को कमाल के डांसिंग मूव करते हुए दिख रही हैं। बहुत कम लोग ही यह जानते हैं कि साई शुरू से ही अच्छी डांसर रही हैं। उन्होंने कई डांसिंग रियलिटी शो में भी बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा लिया है। नितेश तिवारी की रामायण में सीता का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस साई पल्लवी अपनी बेहतरी अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी और नैचुरल ब्यूटी से साउथ से लेकर बॉलीवुड तक अपनी छाप छोड़ी है। हाल में उनका एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें उन्हें कैटरीना कैफ के पॉपुलर गाने शीला की जवानी पर डांस करते हुए देखा जा सकता है। यह उनके कॉलेज में हुए डांस कंपीटिशन के दौरान का है। साई कॉलेज ऑडोटोरियम के मंच पर वे एक सहेली के साथ डांस कर रही हैं। साल 2008 में साई पल्लवी ने उंगलिल यार अदुथा प्रभु देवा नाम के डांसिंग रियलिटी शो में हिस्सा लिया। साल 2009 में साई ने धी4 में हिस्सा लिया था। साई को हमेशा से ही डांस का शौक रहा है। एक पुराने इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि मां ने मुझे माधुरी दीक्षित, ऐश्वर्या राय के वीडियो दिखाना शुरू कर दिया और मैं प्रैक्टिस करती रही।

सीएसके की दिल की धड़कन हैं धोनी: फ्लेमिंग

लखनऊ। महेंद्र सिंह धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स के 'दिल की धड़कन बताकर कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि घुटने की चोट से उबरने के बाद वे लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते लिहाजा माही को शानदार फॉर्म के बावजूद बल्लेबाजी क्रम में ऊपर नहीं भेजा जा सकता। 42 वर्ष के धोनी ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ नौ गेंद में 28 रन बनाए लेकिन उनकी टीम आठ विकेट से हार गई। फ्लेमिंग ने कहा , यह प्रेरणास्पद है ना। अभ्यास के दौरान भी वे बहुत उम्दा बल्लेबाजी कर रहे हैं। टीम इससे हैरान नहीं है क्योंकि सत्र से पहले तैयारी में भी वह शानदार खेल रहे थे। उन्होंने कहा, उनके घुटने में दर्द है और वह इससे उबरने की प्रक्रिया में कुछ ही गेंद खेल सकते हैं। उन्होंने कहा, हर कोई धोनी को लंबे समय तक बल्लेबाजी करते देखना चाहता है, लेकिन टीम प्रबंधन धोनी को पूरे टूर्नामेंट में खेलते देखना चाहता हैं। इसकारण दो तीन ओवर खेलना ही ठीक है। वह हर समय अपनी भूमिका बखूबी निभा रहे हैं और उसे देखने में मजा आ रहा है।'' लंबे समय से चेन्नई के कोच रहे फ्लेमिंग ने कहा कि पांच बार टीम को खिताब दिलाने वाले धोनी टीम के दिल की धड़कन हैं और हर स्टेडियम पर दर्शकों से उन्हें मिल रहे अपार प्रेम के बीच उनकी मौजूदगी के हर पल का टीम लुत्फ उठा रही है। उन्होंने कहा ,''जब वह मैदान पर आते हैं, तब क्या जबर्दस्त माहौल होता है।

पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के बैट का वजन होता है कम

महिलाओं के बल्ले का वजन रहता है 1 किलो 100 ग्राम

नई दिल्ली ■

क्या आपको मालूम है कि महिला क्रिकेटरों के लिए तैयार होने वाले बल्ले का पुरुषों के मुकाबले वजन कम होता है। पुरुष के लिए तैयार होने वाले बल्ले का वजन जहां 1 किलो 200 ग्राम रहता है। वहीं महिलाओं के लिए जो बल्ले तैयार किए जाते हैं। उनका वजन 1 किलो 100 ग्राम रहता है।

वहीं एक स्पोर्ट्स व्यापारी के अनुसार महिलाओं के लिए तैयार होने वाले बल्ले में वजन के साथ-साथ उसकी हाइट भी कम रहती है। उन्होंने बताया की इन बल्ले की बात की जाए तो यह 33 इंच लम्बाई वाला होता है। वहीं पुरुषों के बल्ले की लंबाई 38 इंच रहती है। एक्सपर्ट के अनुसार भले ही पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के लिए तैयार होने वाले बल्ले का वजन 100 ग्राम कम रहता हो। लेकिन इसके रेट में अंतर इसलिए नहीं होता। क्योंकि लकड़ी को पर्याप्त मात्रा में ही उपयोग किया जाता है। महिलाओं के लिए जो बल्ले तैयार किए जाते हैं। उसमें घिसाई सहित अन्य कार्य ज्यादा करने होते हैं। जिससे कि महिलाओं के अनुरूप बल्ले को तैयार किया जा सके। बताते चलें कि पहले की तुलना में अब स्पोर्ट्स बाजार में अभिभावक अपनी बेटियों के लिए बल्ले अधिक खरीदते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं विभिन्न एकेडमी में भी अब बेटियों की संख्या में वृद्धि देखने को मिल रही है। व्यापारी इसमें सबसे ज्यादा अहम योगदान वूमेन आईपीएल का मानते हैं। बता दें कि क्रिकेट के मैदान में महिलाएं लगातार तहलका मचा रही हैं। पुरुषों की तरह ही महिलाएं भी कलाइयों का बेहतर उपयोग करते हुए चौके-छक्के की बरसात करते हुए नजर आती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के लिए तैयार होने वाले बैट में कारीगर को अधिक काम करना पड़ता है।

शमी ने वीडियो जारी कर कहा, उन्हें जल्द टीम में वापसी की उम्मीद

नई दिल्ली ■

अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टखने की सर्जरी के बाद अपनी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया का वीडियो साझा कर जल्द ही मैदान पर वापसी की उम्मीद जाहिर की। शमी ने दर्द के बावजूद पिछले साल वनडे विश्व कप में भाग लिया था। वह 24 विकेट चटकाकर टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज साबित हुए।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल मैच के बाद से चोट के कारण शमी खेल से दूर है। उन्हें इस साल फरवरी में सर्जरी करानी पड़ी। शमी ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, '' चोट आपको परिभाषित नहीं करतीं, आपकी वापसी आपको परिभाषित करती है। मैं अपनी टीम के साथ जुड़ने का इंतजार कर रहा हूं।'' विश्व कप के बाद से शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला, दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद घरेलू सरजमीं पर अफगानिस्तान (टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला) और इंग्लैंड (टेस्ट श्रृंखला) के खिलाफ खेलने से चूक गए। टखने की सर्जरी के कारण वह आईपीएल के मौजूदा सत्र से बाहर है। शमी ने गुजरात टाइटंस के लिए पिछले दो सत्र (2022 और 2023) में 33 मैचों में 48 विकेट लिये हैं।

30 की उम्र में मुगुरुजा ने टेनिस को अलविदा कहा

मैड्रिड। स्पेन की महिला टेनिस स्टार गार्बाइन मुगुरुजा ने खेल को अलविदा कह दिया है। 30 साल की मुगुरुजा पिछले काफी समय से खेल से दूर थीं। इसी कारण उन्होंने अचानक ही ये कदम उठाया है। वह दो बार मेजर चैम्पियनशिप जीती हैं। 2015 विम्बलडन के अलावा वह 2020 ऑस्ट्रेलियाई ओपन में उप विजेता रही थीं।वह जनवरी 2023 के बाद से खेल से बाहर हैं इसी कारण इस खिलाड़ी की लय भी पहले वाली नहीं रही। इस पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ने कहा कि मुझे लगता है कि अब संन्यास लेने और नई राह पकड़ने का समय आ गया है। मुगुरुजा ने साल 2016 फ्रेंच ओपन फाइनल में सेरेना विलियम्स और साल 2017 विम्बलडन फाइनल में वीनस विलियम्स को हराया था। वह एकमात्र खिलाड़ी हैं जो दोनों विलियम्स बहनों को हराने में सफल हुई हैं। उन्होंने अपनी करियर में 10 खिताब रहे हैं। मुगुरुजा महिला टेनिस स्पेन की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रही हैं। उन्हें साथ खिलाड़ियों ने भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

अब आप भी बन सकते हैं
ग्लोबल रिपोर्टर
अपने आस-पास होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियां, घटना-दुर्घटना की खबर, फोटो या वीडियो हमें वाट्सएप करें
7999509078
ना केबल कनेक्शन की झंझट, ना ही सेट-टॉप बॉक्स का खर्चा
ग्लोबल हेराल्ड न्यूज़ अब IPTV पर भी
बस एक बार गूगल करें और देखें हमेशा ताज़ातरीन खबरें
www.globalheraldtv.com
ग्लोबल हेराल्ड NATIONAL HERALD
न्यूज़ पेपर न्यूज़ चैनल वेब टीवी
editor@globalherald.news

LITTAL
www.pramodmarutiparts.com

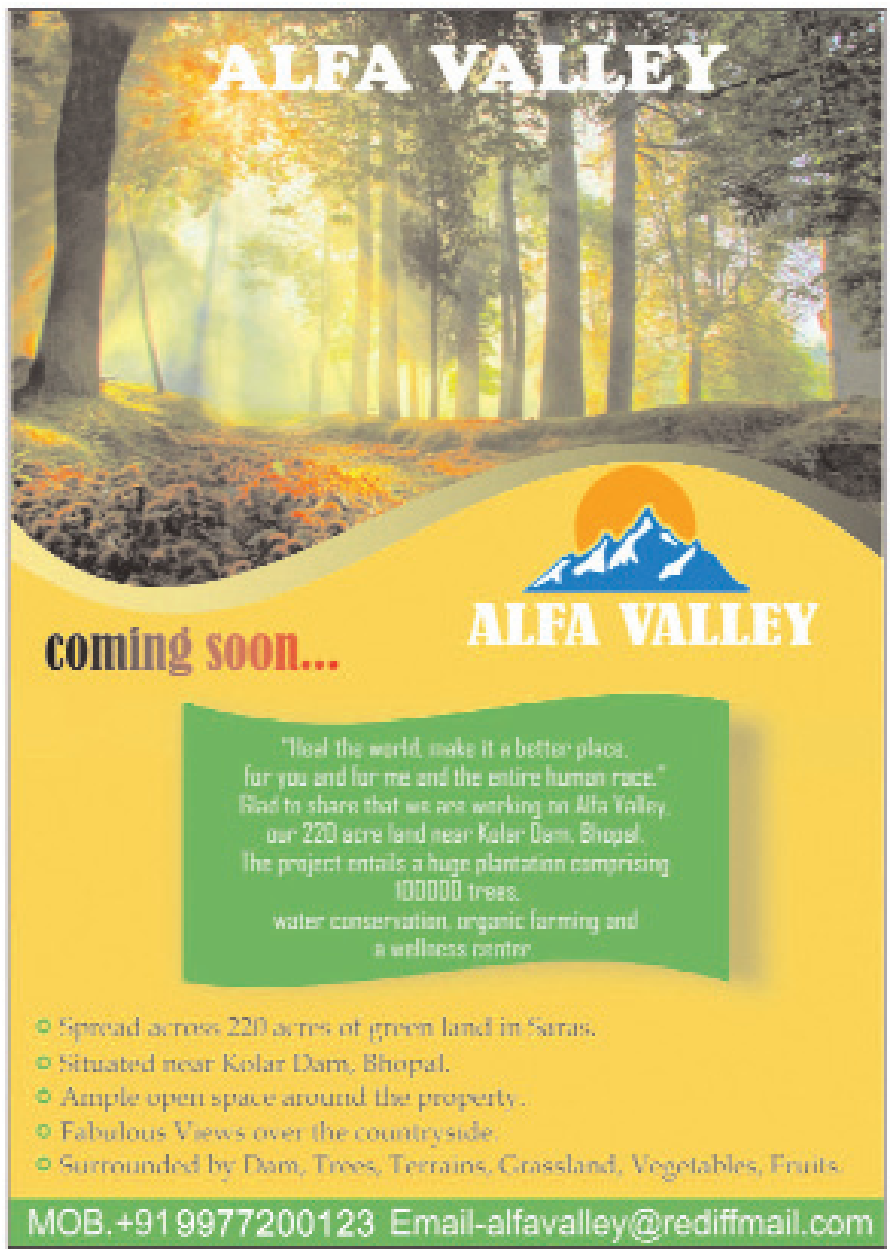

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन** *(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org, डाक पंजीयन क्रमांक - **MP/IDC/1438/2016-2018**